दिवाली के ठीक छह दिन बाद मनाए जाने वाले छठ महापर्व का हिंदू धर्म में विशेष स्थान है। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी को सूर्य षष्ठी का व्रत करने का विधान है। प्राचीन काल में इसे बिहार और उत्तर प्रदेश में ही मनाया जाता था। लेकिन आज इस प्रान्त के लोग विश्व में जहाँ भी रहते हैं वहाँ इस पर्व को उसी श्रद्धा और भक्ति से मनाते हैं। यह व्रत बडे नियम तथा निष्ठा से किया जाता है। इसमे तीन दिन के कठोर उपवास का विधान है । इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को पंचमी को एक बार नमक रहित भोजन करना पडता है। षष्ठी को निर्जल रहकर व्रत करना पडता है । षष्ठी को अस्त होते हुए सूर्य को विधिपूर्वक पूजा करके अर्घ्य देते हैं। सप्तमी के दिन प्रातःकाल नदी या तालाब पर जाकर स्नान करती हैं। सूर्योदय होते ही अर्घ्य देकर जल ग्रहण करके व्रत को खोलती हैं।

सूर्योपासना का पर्व है छठ पूजा

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर भारत वर्ष में छठ पूजा का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन सूर्योपासना का विशेष महत्व है, लेकिन इसे छठ पूजा के नाम से ही जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि छठी मैया को प्रसन्न करने के लिए महिलाएं छठ गीतों और भजनों के साथ प्रार्थना करती हैं और संतान सुख की प्राप्ति करती हैं। छठ मैया की आराधना करने से श्रद्धालुओं को निरोग रहने का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

सभी सुखों और सुविधाओं को प्रदान करने वाले सूर्य देव के कारण ही धरती पर जीवन संभव है और संतति प्रदाता और जीवनदाता सूर्य देव को रिझाने के लिए छठ पूजा को मान्यता मिली हुई है।

'देवी भागवत पुराण' में उल्लेखित एक कथा के अनुसार राजा प्रियव्रत को विवाह के कई वर्ष बीतने के बाद भी संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ था। संतान प्राप्त करने के लिए उन्होंने सूर्योपासना की। सूर्योपासना से राजा के घर पुत्र का जन्म तो हुआ, लेकिन कुछ देर बाद ही उसकी मृत्यु हो गई। इससे राजा और उनका पूरा परिवार शोकाकुल हो गया। जब राजा अपने नवजात पुत्र को लेकर श्मशान पहुंचे तो अपने ही हाथों से अपने पुत्र की अंतिम क्रिया करने की विवशता के कारण अत्यंत भावुक हो गए और जीवन के प्रति उनका मोहभंग हो गया।

दुखी राजा जब अपनी देह त्यागने का विचार कर ही रहे थे, उसी दौरान उनके समक्ष एक देवी प्रकट हुईं। राजा ने देवी की आराधना की और अपने बालक को जीवीत करने की प्रार्थना की। राजा प्रियव्रत की भक्ति और पूजा से प्रसन्न होकर देवी माता ने सूर्य देव की कृपा से राजा के पुत्र को पुनर्जीवित कर दिया। राजा ने कहा कि वे ब्रह्माजी की मानस पुत्री देवसेना हैं और कुमार कार्तिकेय उनके पति हैं। मूल प्रकृति के छठवें अंश से उत्पन्न होने के कारण उन्हें षष्ठी माता के नाम से भी संबोधित किया जाता है।

देवी माता ने राजा के पुत्र को जिस तिथि पर पुनर्जीवित किया था वह कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी की तिथि ही थी। देवी मां ने राजा से कहा कि तुम मेरी पूजा करो और अपनी प्रजा से भी मेरी उपासना करने को कहो। इसके बाद राजा प्रियव्रत ने विधिवत और नियमित रूप से माता की पूजा आरंभ कर दी और इस दिन को छठ पर्व के रूप में सभी के साथ मिलकर मनाने लगे। चूंकि, सूर्यदेव की कृपा से माता ने राजा के पुत्र को पुनर्जीवन प्रदान किया, इसलिए इस दिन सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर उनकी भी छठी माता के साथ पूजा किए जाने की परंपरा है। एक अन्य कथा के अनुसार शिव-पार्वती के ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय का जन्म होने के बाद उन्हें असुरों से सुरक्षित रखने के लिए अग्निदेव ने कुमार कार्तिकेय को गंगा की गोद में रख दिया था। गंगा मैया ने कार्तिकेय को सरकंडे के वन में रख दिया। इस वन में छह कृतिकाएं निवास करती थीं। कृतिकाएं कुमार कार्तिकेय को पाकर काफी प्रसन्न हो गईं और कार्तिकेय को पुत्र मानकर उसका लालन-पालन करने लगीं। ऐसी मान्यता है कि ये छह कृतिकाएं ही कालांतर में छठी माता के रूप में पुजन लगी। ऐसा कहा जाता है कि जब तक छोटे बच्चे अपने पैरों के अंगूठों को मुंह में नहीं डालते तब तक छठी माता बच्चों के साथ रहती हैं और खेल-खेल में कभी उन्हें हंसाती हैं और कभी रुलाती हैं।

सूर्य षष्ठी व्रत पूजा

सूर्य षष्ठी व्रत भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है. इस पर्व का आयोजन कार्तिक माह के आरंभ के साथ ही शुरू हो जाता है इस पर्व के उपलक्ष में भगवान सूर्य की पूजा का विशेष महत्व होता है. सूर्य षष्ठी व्रत में भगवान सूर्य की पूजा उपासना की जाती है इस दिन व्रती अपने सभी कार्यों को पूर्ण कर भगवान आदित्य का पूजन करता है. उन्हें जल द्वरा अर्घ्य दिया जाता है. पूजा की विधी में फल, विभिन्न प्रकार के पकवान एवं मिष्ठान को शामिल किया जाता है इस दिन सूर्य की किरणों को अवश्य ग्रहण करना चाहिए. पूजन तथा अर्घ्य देने के समय सूर्य की किरणें अवश्य देखनी चाहिए.

सूर्य षष्ठी व्रत महत्व

सूर्य षष्ठी पर्व के अवसर पर परिवार के सभी सदस्य स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हैं. सूर्य षष्ठी पर्व के दिन पूजा का सामान तैयार किया जाता है जिसमें सभी प्रकार के फल, केले की पूरी गौर, नारियल, मूली, सुथनी, अखरोट, बादाम इत्यादि को रखा जाता है. इस व्रत का बहुत महत्व रहा है इसे करने से घर में धन धान्य की वृद्धि होती है. तथा परिवार में सुख समृद्धि का आगमन होता है. इस व्रत को करने से चर्म तथा नेत्र रोगों से मुक्ति मिलती है.

सूर्योपासना का यह पर्व अत्यंत प्राचीन है। महाभारत काल में माता कुंती ने सूर्योपासना के द्वारा अत्यंत तेजस्वी पुत्र कर्ण की प्राप्ति की थी। इससे भी पूर्व इस व्रत को च्यवन मुनि की पत्नी सुकन्या ने अपने जराजीर्ण पति के लिए किया था। स्कन्द पुराण के अनुसार राजा शर्याति की प्रिय कन्या सुकन्या अपने पिता के साथ सैनिकों सहित वन में गई और वहां अपनी सखियों सहित उपवन में क्रीड़ा करते हुए वहां तपस्यारत च्यवन मुनि के दोनों नेत्रों को फोड़ दिया। जिसके फलस्वरूप राजा शर्याति व उनके सैनिकों पर भारी विपत्ति आई। अस्वस्थ हो सभी मरणासन्न की स्थिति को प्राप्त होने लगे। च्यवन मुनि से क्षमा याचना कर उनका अभिप्राय जानकर राजा ने अपनी पुत्री सुकन्या का विवाह उनसे कर दिया। अंधे, अस्वस्थ अपने पति को प्राप्त कर वह अश्विनी कुमारों का आवाहन कीं और उनकी प्रेरणा से 12 वर्ष तक सूर्य षष्ठी व्रत का पालन कीं। इस व्रत के प्रभाव से च्यवन मुनि को नेत्र ज्योति प्राप्त हुई और वे वृद्धावस्था से युवावस्था को प्राप्त हो गए। मान्यता है कि भगवान राम ने अपने राज्याभिषेक के उपरान्त माता सीता सहित इस व्रत को किया था। यदि कोई इस व्रत को नियमपूर्वक 12 वर्ष तक करता है तो वह सौभाग्यशाली हो जाता है।

उसमें बैठी देवी ने कहा, 'मैं षष्ठी देवी और विश्व के समस्त बालकों की रक्षिका हूं.' इतना कहकर देवी ने शिशु के मृत शरीर का स्पर्श किया, जिससे वह बालक जीवित हो उठा. इसके बाद से ही राजा ने अपने राज्य में यह त्योहार मनाने की घोषणा कर दी.

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ करें छठ पूजा

भगवान सूर्य जिन्हें आदित्य भी कहा जाता है वास्तव एक मात्र प्रत्यक्ष देवता हैं. इनकी रोशनी से ही प्रकृति में जीवन चक्र चलता है. इनकी किरणों से ही धरती में प्राण का संचार होता है और फल, फूल, अनाज, अंड और शुक्र का निर्माण होता है. यही वर्षा का आकर्षण करते हैं और ऋतु चक्र को चलाते हैं. भगवान सूर्य की इस अपार कृपा के लिए श्रद्धा पूर्वक समर्पण और पूजा उनके प्रति कृतज्ञता को दर्शाता है. सूर्य षष्ठी या छठ व्रत इन्हीं आदित्य सूर्य भगवान को समर्पित है. इस महापर्व में सूर्य नारायण के साथ देवी षष्ठी की पूजा भी होती है. दोनों ही दृष्टि से इस पर्व की अलग अलग कथा एवं महात्मय है. सबसे पहले आप षष्ठी देवी की कथा सुनिये.

छठ व्रत कथा

एक थे राजा प्रियव्रत उनकी पत्नी थी मालिनी. राजा रानी निःसंतान होने से बहुत दुःखी थे. उन्होंने महर्षि कश्यप से पुत्रेष्टि यज्ञ करवाया. यज्ञ के प्रभाव से मालिनी गर्भवती हुई परंतु न महीने बाद जब उन्होंने बालक को जन्म दिया तो वह मृत पैदा हुआ. प्रियव्रत इस से अत्यंत दुःखी हुए और आत्म हत्या करने हेतु तत्पर हुए.

प्रियव्रत जैसे ही आत्महत्या करने वाले थे उसी समय एक देवी वहां प्रकट हुईं. देवी ने कहा प्रियव्रत मैं षष्ठी देवी हूं. मेरी पूजा आराधना से पुत्र की प्राप्ति होती है, मैं सभी प्रकार की मनोकामना पूर्ण करने वाली हूं. अतः तुम मेरी पूजा करो तुम्हे पुत्र रत्न की प्राप्ति होगी. राजा ने देवी की आज्ञा मान कर कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को देवी षष्ठी की पूजा की जिससे उन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई. इस दिन से ही छठ व्रत का अनुष्ठान चला आ रहा है.

एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान श्रीरामचन्द्र जी जब अयोध्या लटकर आये तब राजतिलक के पश्चात उन्होंने माता सीता के साथ कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को सूर्य देवता की व्रतोपासना की और उस दिन से जनसामान्य में यह पर्व मान्य हो गया और दिनानुदिन इस त्यहार की महत्ता बढ़ती गई व पूर्ण आस्था एवं भक्ति के साथ यह त्यहार मनाया जाने लगा.

छठ व्रत विधि

इस त्यहार को बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश एवं भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हर्षोल्लास एवं द्वनयम निष्ठा के साथ मनाया जाता है. इस त्यहार की यहां बड़ी मान्यता है. इस महापर्व में देवी षष्ठी माता एवं भगवान सूर्य को प्रसन्न करने के लिए स्त्री और पुरूष दोनों ही व्रत रखते हैं. व्रत चर दिनो का होता है पहले दिन यानी चतुर्थी को आत्म शुद्धि हेतु व्रत करने वाले केवल अरवा खाते हैं यानी शुद्ध आहार लेते हैं. पंचमी के दिन नहा खा होता है यानी स्नान करके पूजा पाठ करके संध्या काल में गुड़ और नये चावल से खीर बनाकर फल और मिष्ठान से छठी माता की पूजा की जाती है फिर व्रत करने वाले कुमारी कन्याओं को एवं ब्रह्मणों को भोजन करवाकर इसी खीर को प्रसाद के तर पर खाते हैं. षष्ठी के दिन घर में पवित्रता एवं शुद्धता के साथ उत्तम पकवान बनाये जाते हैं. संध्या के समय पकवानों को बड़े बडे बांस के डालों में भरकर जलाशय के निकट यानी नदी, तालाब, सरोवर पर ले जाया जाता है. इन जलाशयों में ईख का घर बनाकर उनपर दीया जालाया जाता है. व्रत करने वाले जल में स्नान कर इन डालों को उठाकर डूबते सूर्य एवं षष्ठी माता को अर्घ्य देते हैं. सूर्यास्त के पश्चात लोग अपने अपने घर वापस आ जाते हैं. रात भर जागरण किया जाता है. सप्तमी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में पुनः संध्या काल की तरह डालों में पकवान, नारियल, केला, मिठाई भर कर नदी तट पर लोग जमा होते हैं. व्रत करने वाले सुबह के समय उगते सूर्य को आर्घ्य देते हैं. अंकुरित चना हाथ में लेकर षष्ठी व्रत की कथा कही और सुनी जाती है. कथा के बाद प्रसाद वितरण किया जाता है और फिर सभी अपने अपने घर लट आते हैं. व्रत करने वाले इस दिन परायण करते हैं.

इस पर्व के विषय में मान्यता यह है कि जो भी षष्ठी माता और सूर्य देव से इस दिन मांगा जाता है वह मुराद पूरी होती है. इस अवसर पर मुराद पूरी होने पर बहुत से लोग सूर्य देव को दंडवत प्रणाम करते हैं. सूर्य को दंडवत प्रणाम करने का व्रत बहुत ही कठिन होता है, लोग अपने घर में कुल देवी या देवता को प्रणाम कर नदी तट तक दंड देते हुए जाते हैं. दंड की प्रक्रिया इस प्रकार से है पहले सीधे खडे होकर सूर्य देव को प्रणाम किया जाता है फिर पेट की ओर से ज़मीन पर लेटकर दाहिने हाथ से ज़मीन पर एक रेखा खींची जाती है. यही प्रक्रिया नदी तट तक पहुंचने तक बार बार दुहरायी जाती है.

क्यूं मनाते हैं छठ महापर्व

भारत की विविध संस्कृति का एक अहम अंग यहां के पर्व हैं. भारत में ऐसे कई पर्व हैं जो बेहद कठिन माने जाते हैं और इन्हीं पर्वों में से एक है छठ पर्व. छठ को सिर्फ पर्व नहीं महापर्व कहा जाता है. चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में व्रती को लगभग तीन दिन का व्रत रखना होता है जिसमें से दो दिन तो निर्जली व्रत रखा जाता है. आइए आज के इस अंक में जानें छठ के बारे में कुछ विशेष बातें.

क्या है छठ- छठ पर्व छठ और षष्ठी का अपभ्रंश है. कार्तिक मास की अमावस्या को दीवाली मनाने के तुरंत बाद मनाए जाने वाले इस चार दिवसीय व्रत की सबसे कठिन है और महत्वपूर्ण रात्रि कार्तिक शुक्ल षष्ठी की होती है. इसी कारण इस व्रत का नामकरण छठ व्रत हो गया. यह पर्व वर्ष में दो बार मनाया जाता है. पहली बार चैत्र में और दूसरी बार कार्तिक में. चैत्र शुक्लपक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले छठ पर्व को चैती छठ व कार्तिक शुक्लपक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले पर्व को कार्तिकी छठ कहा जाता है.

मार्कण्डेय पुराण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि सृष्टि की अधिष्ठात्री प्रकृति देवी ने अपने आप को छह भागों में विभाजित किया है और इनके छठे अंश को सर्वश्रेष्ठ मातृ देवी के रूप में जाना जाता है, जो ब्रह्मा की मानस पुत्री और बच्चों की रक्षा करने वाली देवी हैं. कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को इन्हीं देवी की पूजा की जाती है. शिशु के जन्म के छह दिनों के बाद भी इन्हीं देवी की पूजा करके बच्चे के स्वस्थ, सफल और दीर्घ आयु की प्रार्थना की जाती है. पुराणों में इन्हीं देवी का नाम कात्यायनी मिलता है, जिनकी नवरात्र की षष्ठी तिथि को पूजा की जाती है. छठ व्रत की परंपरा सदियों से चली आ रही है. यह परंपरा कैसे शुरू हुई, इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है. इसके अनुसार प्रियव्रत नामक एक राजा की कोई संतान नहीं थी. संतान प्राप्ति के लिए महर्षि कश्यप ने उन्हे पुत्रयेष्टि यज्ञ करने का परामर्श दिया. यज्ञ के फलस्वरूप महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, किंतु वह शिशु मृत था. इस समाचार से पूरे नगर में शोक व्याप्त हो गया. तभी एक आश्चर्यजनक घटना घटी. आकाश से एक ज्योतिर्मय विमान धरती पर उतरा और

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 19 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–294 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गरीबों के लिए मैं जेल जाने को तैयार हूं....भरतपुर में कांग्रेस पर जमकर बरसे पीएम मोदी

राजस्थान के भरतपुर में पीएम मोदी ने शनिवार को एक जनसभा को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने प्रदेश की अशोक गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैं गरीबों के लिए जेल जाने को भी तैयार हूं।

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने राजस्थान की महिलाओं के विश्वास को भी चकनाचूर कर दिया है। कांग्रेस जहां जहां आती है, वहां वहां आतंकवादी, अपराधी और दंगाई बेलगाम हो जाते हैं। इस दौरान कोविड के समय का उदाहरण देते हुए कहा कि पीएम ने कहा कि उस समय पूरा देश डरा हुआ था। हर परिवार चिंतित था। ऐसे में गरीब के बेटे ने सोचा कि गरीब-दलित, पिछड़ों का चूल्हा ना बुझा, कोई बच्चा भूखा ना सोए इसलिए अनाज के भंडार खोल दिए। गरीबों को मुफ्त राशन देना शुरू किया। दिसंबर में मुफ्त राशन की योजना समाप्त हो रही है लेकिन हमने इसे अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। इससे कांगेस तिलमिला गई है, नाराज है। कांग्रेस ने मेरे खिलाफ चुनाव आयोग में इतनी बड़ी चिट्ठी दी है। कोर्ट जाने की धमकी दे रही है। लेकिन अगर गरीबों के लिए इस मोदी को जोल भी जाना पड़े तो मैं तैयार हूं। जनसभा में पीएम ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति की रक्षा

के लिए यहां भाजपा जरूरी है। अबसे ठीक एक हफ्ते बाद राजस्थान में मतदान होने वाला है। हर तरफ एक ही गूंज है, जन-जन की यही पुकार आ रही है भाजपा सरकार। कुछ लोग यहां खुद को जादूगर कहते हैं।

पीएम ने आगे कहा कि ब्रज क्षेत्र में बड़ी मशहूर कहावत है - जा पत्तल में खानों, वा में छेद करनो। कांग्रेस ने यहां आपके साथ ऐसा ही किया है। यहां कांग्रेस सरकार की जिम्मेदारी थी कि वो हर नागरिक

> **कांग्रेस जहां जहां आती है, वहां वहां आतंकवादी, अपराधी और दंगाई बेलगाम हो जाते हैं। इस दौरान कोविड के समय का उदाहरण देते हुए कहा कि पीएम ने कहा कि उस समय पूरा देश डरा हुआ था। हर परिवार चिंतित था। ऐसे में गरीब के बेटे ने सोचा कि गरीब-दलित, पिछड़ों का चूल्हा ना बुझा, कोई बच्चा भूखा ना सोए इसलिए अनाज के भंडार खोल दिए। गरीबों को मुफ्त राशन देना शुरू किया। दिसंबर में मुफ्त राशन की योजना समाप्त हो रही है लेकिन हमने इसे अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया है।**

अब उन्हें राजस्थान की जनता कह रही है - 3 दिसंबर कांग्रेस छू मंतर। भाजपा ने राजस्थान में एक शानदार संकल्प पत्र जारी किया है। भाजपा का संकल्प है कि राजस्थान को देश का अग्रणी राज्य बनाएंगे। राजस्थान में भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करेंगे। हम बहनों-बेटियों के लिए सुरक्षित माहौल बनाएंगे।

के जानमाल की सुरक्षा करे। लेकिन बीते 5 वर्षों में यहां बहनों-बेटियों, दलितों और वंचितों के साथ सबसे ज्यादा अपराध और जुल्म हुआ। होली, रामनवमी या हनुमान जयंती हो, कोई भी त्योहार आप लोग शांति से नहीं मना पाए। दंगे, पत्थरबाजी, कर्फ्यू राजस्थान में यही सब चलता रहा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान डीआईएलआरएमपी में सफल गांव का होगा अभिनंदन-गिरिराज सिंह

बेगूसराय। केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि केन्द्र सरकार योजनाओं की परिपूर्णता प्राप्त करने के लिए जन संपर्क गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 15 नवम्बर से 26 जनवरी 2024 तक विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन कर रही है। उन्होंने बताया कि भूमि संसाधन विभाग ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत पात्र गांवों को अभिनंदन पत्र वितरित करने और ग्राम पंचायतों को सम्मानित करने की योजना बनाई है। डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य एक आधुनिक, व्यापक और पारदर्शी भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के पहले चरण में जनजातीय जिलों की ग्राम पंचायतों को अभिनंदन पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि केन्द्र सरकार के केंद्रीय क्षेत्र की योजना डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) द्वारा एक सौ प्रतिशत वित्त पोषण के साथ भूमि संसाधन विभाग (डीओएलआर) द्वारा कार्यान्वित की जा रही है। डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक, व्यापक और पारदर्शी भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है। डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के माध्यम से भूमि संबंधी मामलों में काफी प्रगति हुई है। भूमि संसाधन विभाग ने जिलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और निगरानी की दिशा में एक कदम के रूप में जिलों के बीच ग्रेडिंग प्रक्रिया शुरू की है। प्लेटिनम ग्रेडिंग उन जिलों को प्रदान जा रही है, जिन्होंने 26 अक्टूबर तक छह बुनियादी घटकों में 99 प्रतिशत और उससे अधिक काम पूरा कर लिया है। राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों के अनुसार 14 राज्यों के 157 जिलों ने बुनियादी छह घटकों में 99 प्रतिशत और उससे अधिक कार्य पूरा कर लिया है। जिसमें भूमि अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण, कैडस्ट्रल मानचित्र/एफएमबी का डिजिटलीकरण, कैडस्ट्रल मानचित्रों के साथ आरओआर का जुड़ाव, पंजीकरण का कम्प्यूटरीकरण, भूमि रिकॉर्ड के साथ पंजीकरण का एकीकरण तथा आधुनिक रिकार्ड रूम प्रमुख घटक है।

मुख्यमंत्री धामी उत्तरकाशी सिलक्यारा सुरंग रेस्क्यू की ले रहे पल पल जानकारी

देहरादून। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग रेस्क्यू कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। पीएमओ के मार्गदर्शन में राज्य सरकार सुरंग में फंसे सभी श्रमिकों को सकुशल निकालने के प्रयास में जुटी है। रेस्क्यू के लिए देश-विदेश में ईजाद की गई आधुनिक तकनीक की मदद ली जा रही है। उम्मीद है कि जल्द इसमें सफलता मिल जायेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों के रेस्क्यू पर पल पल अपडेट ले रहे हैं। इसी के तहत उन्होंने शनिवार को शासकीय आवास पर अधिकारियों के साथ श्रमिकों के बचाव के लिए चल रहे रेस्क्यू कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन में आ रही बाधाओं से निपटने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से लगातार बचाव अभियान की जानकारी ली जा रही है। ऐसे में ग्राउंड जीरो पर जो भी रेस्क्यू कार्य किया जा रहा है, अधिकारी एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर समय पर अंजाम तक पहुंचाएं। रेस्क्यू कार्य के लिए जिन संसाधनों की जरूरत हैं, उनको तत्काल एजेंसियों को मुहैया करा कर तेजी से कार्य कराएं। सरकार की प्राथमिकता में श्रमिकों को सुरक्षित और समय पर बाहर निकालना है।

श्रमिकों और परिजनों के साथ सरकार खड़ी - मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि मुसीबत में फंसे श्रमिकों के परिजनों के साथ सरकार खड़ी है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वह सभी परिजनों को रेस्क्यू की हर

पल की जानकारी देते रहें। इसके अलावा सिलक्यारा पहुंचे परिजनों के लिए भी सहायता केंद्र खोलने और उनके रहने-खाने की जरूरत के हिसाब से मदद की जाए। विपदा की इस घड़ी में परिजनों को धैर्य बनाये रखने की जरूरत है। सरकार हर वक्त उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग आपदा से निपटने के लिए देश-विदेश में चले पुराने सुरंग रेस्क्यू के अनुभवों के आधार पर कार्य किए जा रहे हैं।

टीम इंडिया की नई प्रैक्टिस जर्सी देख भड़क उठीं ममता बनर्जी

भाजपा पर भगवाकरण करने का आरोप

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम की प्रैक्टिस जर्सी के रंग में बदलाव को ममता बनर्जी ने सियासी कदम करार दिया है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर देश के सबसे लोकप्रिय खेल का भगवाकरण करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसको लेकर अपनी असहमति व्यक्त करते हुए कहा, वे पूरे देश को भगवा रंग में रंगने की कोशिश कर रहे हैं। हमें अपने भारतीय खिलाड़ियों पर गर्व है और मुझे विश्वास है कि वे विश्व कप में विजेता होंगे, लेकिन भाजपा वहां भी भगवा रंग लेकर आए और हमारे लड़के अब भगवा रंग की जर्सी में अभ्यास करते हैं। मेट्रो स्टेशनों को भगवा रंग से रंग दिया गया है। यह अस्वीकार्य है। मध्य कोलकाता के पोस्ता बाजार में जगद्धात्री पूजा की शुरुआत के मौके पर बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने न केवल क्रिकेट टीम की जर्सी में

बल्कि मेट्रो स्टेशनों की पेंटिंग में भी भगवा रंग जोड़ दिया है। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती पर भी कटाक्ष किया जिन्होंने अपनी मूर्तियां लगवाई थी। भाजपा पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र देश की जनता का है, न कि केवल एक पार्टी की जनता का। उनकी टिप्पणी पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा, कुछ दिनों के बाद वह सवाल कर सकती हैं कि हमारे राष्ट्रीय ध्वज में भगवा रंग क्यों है। हम ऐसे बयानों पर प्रतिक्रिया देना भी उचित नहीं समझते हैं। ममता ने आगे कहा, आप चीजों का नाम गुजरात, उत्तर प्रदेश या दक्षिण भारत के दिवंगत राजनीतिक नेताओं के नाम पर रख सकते हैं। मुझे इससे कोई समस्या नहीं है। लेकिन यह शो आखिर है क्या? ऐसे शो कभी-कभी फायदा देते हैं, लेकिन हमेशा नहीं। कुर्सी आती है और चली जाती है लेकिन लोगों के दिलों में रहना चाहिए।

हलाल सर्टिफिकेशन होगा 'हराम', यूपी में लग सकता है प्रतिबंध

लखनऊ। बिना किसी अधिकार के खान-पान व सौंदर्य प्रसाधन के उत्पादों को अवैध ढंग से हलाल सर्टिफिकेट देने के काले कारोबार पर अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चाबुक चलने जा रहा है। मजहब की आड़ लेकर एक धर्म विशेष को बरगलाने और अन्य धर्मों के बीच विद्वेष भड़काने की इस नापाक कोशिश का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है और कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। आशंका है कि कूटरचित दस्तावेजों का सहारा लेकर हलाल सर्टिफिकेट के नाम पर इकट्ठा हो रही अवैध कमाई से आतंकवादी संगठनों व राष्ट्र विरोधी गतिविधियों की फन्डिंग की जा रही है। वहीं अब लखनऊ कमिश्नरेट में एफआईआर भी दर्ज की गई है। एफआईआर के मुताबिक हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई, जमीयत उलेमा हिन्द हलाल ट्रस्ट दिल्ली, हलाल काउंसिल ऑफ इंडिया मुम्बई, जमीयत उलेमा महाराष्ट्र मुम्बई आदि द्वारा एक धर्म विशेष के ग्राहकों को मजहब के नाम से कुछ उत्पादों पर हलाल प्रमाणपत्र प्रदान कर उनकी ब्रिकी बढ़ाने के लिए आर्थिक लाभ लेकर अवैध कारोबार चलाया जा रहा है। इन कंपनियों के पास किसी उत्पाद को प्रमाण पत्र देने का कोई अधिकार नहीं है। उक्त कम्पनियों द्वारा कूटरचित प्रमाण पत्र तैयार कर आर्थिक लाभ लेकर विभिन्न कम्पनियों को हलाल प्रमाण पत्र निर्गत किया जा रहा है। यह सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला तो है ही जनआस्था के साथ छल है। शिकायतकर्ता ने इसे बड़ी साजिश की आशंका जताते हुए कहा है कि जिन कम्पनियों ने ऐसा हलाल प्रमाण पत्र इनसे नहीं प्राप्त किया है, उनके उत्पादन की बिक्री को घटाने का प्रयास भी किया जा रहा है, जो कि आपराधिक कृत्य है। आशंका है कि इस अनुचित लाभ को समाज विरोधी/राष्ट्र विरोधी तत्वों को पहुंचाया जा रहा है। खास बात यह कि शाकाहारी उत्पादों जैसे तेल, साबुन, टूथपेस्ट, मधु आदि की बिक्री के लिए भी हलाल प्रमाण पत्र दिया जा रहा है, जबकि शाकाहारी वस्तुओं पर ऐसे किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होती है। जाहिर है कि एक समुदाय विशेष एवं उनके उत्पादों के विरुद्ध आपराधिक षडयन्त्र किया जा रहा है।

ऐसे तो दूसरे राज्य भी आरक्षण देने लगेंगे, हरियाणा में प्राइवेट नौकरी में 75 कोटा खत्म कर क्या-क्या बोला एचसी

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा के लोगों के लिए प्राइवेट नौकरी में 75 प्रतिशत आरक्षण को लेकर मनोहर लाल खट्टर सरकार द्वारा बनाए गए कानून को रद्द कर दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कई गंभीर टिपण्णी की है। न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायमूर्ति हरप्रीत कौर जीवन की खंडपीठ ने इस मामले में अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि प्रदेश सरकार की विधायिका की शक्तियां राष्ट्रीय हित के लिए हानिकारक नहीं हो सकती हैं। वे सीधे तौर पर केंद्र सरकार की शक्ति का अतिक्रमण नहीं कर सकती हैं। इस मामले पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, राज्य सरकार किसी प्राइवेट कंपनी को स्थानीय लोगों को नियुक्त करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती है। इससे ऐसी प्रथा विकसित हो जाएगी कि एक राज्य दूसरे राज्य के लिए दीवारें खड़ी कर सकती हैं। कोर्ट ने कहा, राज्य सरकार प्राइवेट कंपनियों को ऐसा काम करने के लिए नहीं कह सकती है जो भारत के संविधान के तहत करने से मना किया गया है। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि संविधान नागरिकों के खिलाफ उनके जन्म स्थान और निवास स्थान के आधार पर रोजगार के संबंध में भेदभाव को रोकता है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि व्यक्तियों और मुद्दों के प्रति दृष्टिकोण को संविधान की भावना के अनुसार पढ़ा जाना चाहिए, न कि समाज की लोकप्रिय धारणाओं को ध्यान में रखते हुए। पीठ ने कहा, न्यायालय

द्वारा अधिकार खोने से लोकतंत्र ख़तरे में पड़ जाएगा। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अधिनियम के प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 19 का उल्लंघन करते हैं और असंवैधानिक घोषित किए जाने योग्य हैं। राज् सरकारय द्वारा चारों ओर एक दीवार नहीं बनाई जा सकती है। भारत के संविधान की भावना और एकता को कम नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा, बिरादरी शब्द सामान्य भाईचारे की भावना को दर्शाता है। सभी भारतीयों को गले लगाने के लिए है। देश के दूसरे राज्यों के नागरिकों के लिए आंखें नहीं मूंदी जा सकती हैं। मौलिक अधिकार के उल्लंघन पर कोर्ट ने आगे कहा कि अधिनियम ने भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से घूमने या भारत के किसी भी हिस्से या क्षेत्र में निवास करने और बसने के अधिकार के संबंध में अनुचित प्रतिबंध लगाए हैं। कोर्ट ने पाया कि इस अधिनियम को किसी भी तरह से उचित नहीं कहा जा सकता है। पीठ ने कहा कि हरियाणा से बाहर के नागरिकों के एक समूह को दोयम दर्जा देने और उनकी आजीविका कमाने के मौलिक अधिकारों में कटौती करके संवैधानिक नैतिकता की अवधारणा का खुले तौर पर उल्लंघन किया गया है। पिछले साल हाईकोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी और जननायक जनता पार्टी की गठबंधन सरकार द्वारा लाए गए कानून पर रोक लगा दी थी।

अधूरे पुल का आदित्य ठाकरे ने जबरदस्ती कर दिया उद्घटान, बीएमसी ने दर्ज कराया एफआईआर

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम की शिकायत पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के नेता और विधायक आदित्य ठाकरे, एमएलसी सुनील शिंदे, सचिन अहीर, पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर और स्नेहल अंबेकर सहित पार्टी के 20 अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला अधूरे डेलिसल रोड पुल को जनता के लिए खुला घोषित करने को लेकर किया गया है।

गुरुवार रात को ठाकरे ने डेलिसल ब्रिज के दूसरे कैरिजवे पर हाथ में भगवा झंडा लिए चलते हुए अपनी एक तस्वीर पोस्ट की थी। इसमें उन्होंने लिखा था, हम खोखे सरकार (एकनाथ शिंदे सरकार का अपमानजनक संदर्भ) के वीआईपी नहीं चाहते हैं। लोग परेशान हैं।

एनएम जोशी मार्ग पुलिस ने कहा, ÷हमने बीएमसी, पुल विभाग के एक सहायक अभियंता, 43 वर्षीय पुरूषोत्तम इंगले की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। ये सभी लोअर परेल में डेलिसले पुल के काम की देखरेख कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लेन मार्किंग, रंग और स्ट्रीट लैंप का काम किया गया था। डेलिसल रोड ब्रिज, दक्षिण की ओर जाने वाली लेन पर अभी भी काम पूरा होना बाकी है। इसके बावजूद उन्होंने सोशल मीडिया पर देखा कि पुल का उद्घाटन आदित्य ठाकरे ने अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कर दिया है। ऐसे करके उन्होंने लोगों के जीवन को खतरे में डाल दिया। उन्होंने एंट्री पॉइंट पर लगाए गए बैरिकेड् को भी हटा दिया। अगले दिन बीएमसी अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और पाया कि नारियल टूटा हुआ है और

बैरिकेड खुले हुए हैं। इसके बारे में बीएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। पुल को फिर से बंद कर दिया गया और बाद में मामला दर्ज करने का फैसला किया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, बीएमसी अधिकारी आवेदन के साथ हमारे पास आए। इसके बाद हमने शुक्रवार देर रात धारा 143 (गैरकानूनी सभा), 149 (गैरकानूनी सभा के प्रत्येक सदस्य को सामान्य उद्देश्य के अभियोजन में किए गए अपराध का दोषी), 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) और भारतीय दंड संहिता की धारा 447 (आपराधिक अतिक्रमण) के तहत मामला दर्ज किया है।

अधिकारी ने कहा कि वे वरिष्ठ अधिकारियों से परामर्श के बाद जांच की आगे की दिशा तय करेंगे।

आपको बता दें कि दक्षिण मुंबई और लोअर परेल के बीच एक महत्वपूर्ण लिंक पुल को 5 साल पहले बंद कर दिया गया था। इस जून में पहली बार आंशिक रूप से खोला गया था। स्ट्रीटलाइट्स, पेंटिंग, लेन मार्किंग, सिग्नल सिस्टम आदि जैसे फिनिशिंग टच अभी भी चल रहे हैं। उप नगर आयुक्त उल्हास महाले ने कहा कि पुल अगले 3 से 4 दिनों के भीतर यातायात के लिए खुला रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मतदान का दूसरा चरण

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदान का दूसरा चरण भी संपन्न हो गया। शुक्रवार को मध्य प्रदेश की सभी 230 सीटों पर एक साथ और छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण की 70 सीटों पर मतदान हुआ। इसके बाद अब राजस्थान में 25 नवंबर को और तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान शेष है, 3 दिसंबर को जनता का फैसला सामने आ जाएगा। बहरहाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 7.20 करोड़ से अधिक लोगों ने कुल 300 सीटों के लिए मतदान किया है। छत्तीसगढ़ में 7 नवंबर को पहले चरण के मतदान में 70 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ था और शुक्रवार को भी अंतिम मतदान प्रतिशत उसके ज्यादा दूर नहीं रहेगा। मध्य प्रदेश में तो मतदाताओं के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर तीन बजे तक 60 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हो चुका था। उम्मीद है, दोनों ही राज्यों में मतदान में सुधार का सुखद का अनुभव होगा। वैसे, मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं हिंसा दुखद है। ऐसे इलाकों में भविष्य में सावधानी बरतना जरूरी है। मध्य प्रदेश के साथ ही छत्तीसगढ़ में भी भाजपा और कांग्रेस के बीच ही मुख्य मुकाबला है। मध्य प्रदेश में भाजपा अपनी सरकार बचाने की कोशिश में है, तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सत्ता अपने पास बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। मध्य प्रदेश के साथ ही छत्तीसगढ़ भी एक ऐसा प्रदेश है, जहां भाजपा और कांग्रेस के मतदान प्रतिशत के बीच ज्यादा अंतर नहीं रहता है और अनेक बार तो सीटों का अंतर भी बहुत कम होता है। जमीनी आधार पर अगर देखें, तो जितनी मजबूत भाजपा है, लगभग उतनी ही मजबूत कांग्रेस है। मतदान प्रतिशत में थोड़ा भी अगर इधर-उधर हुआ, तो सीटों में बड़ा अंतर दिख सकता है। राजस्थान में भी पिछली बार सीटों का अंतर ज्यादा नहीं था। खैर, अगर राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वर्चस्व दिखा, तो इससे विपक्षी गठबंधन को मजबूती मिलेगी और इसका फायदा कांग्रेस के साथ पूरे विपक्षी गठबंधन को अन्य राज्यों में भी होगा। अगर भाजपा मध्य प्रदेश में फिर जीत जाए और कांग्रेस से एक राज्य भी छीन ले, तो यह विपक्षी गठबंधन के लिए बुरा संकेत होगा। विधानसभा चुनाव के चाहे जो नतीजे हों, लोकसभा चुनाव में तीखा मुकाबला तय है। भाजपा ने इन विधानसभा चुनावों में पूरा जोर लगा रखा है, क्योंकि उसे पता है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में जीतना कितना महत्वपूर्ण है। आमतौर पर कहीं भी भारी मतदान की स्थिति नहीं है, और भारी मतदान की स्थिति में यह सामान्य आकलन किया जाता है कि सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ लोग नाराज हैं। वास्तव में, चुनावों के प्रति लोगों को जितना स्वाभाविक लगाव होना चाहिए, उतना नहीं है। मतदान के लिए खूब प्रेरित करने के बावजूद मतदान 80 प्रतिशत को नहीं छू पा रहा है। लोक-लुभावन घोषणाओं की भरमार भी एक संकेत है कि जीत के प्रति कोई भी दल आश्वस्त नहीं है और इसीलिए मतदाताओं को रिझाने का कोई भी प्रयास हाथ से जाने नहीं देना चाहता। खास बात यह भी है कि इन चुनावों में घोषणा की जगह गारंटी शब्द का इस्तेमाल ज्यादा हुआ है। शुक्रवार को तेलंगाना में कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र जारी करते हुए कहा है कि सभी छह गारंटी को पहली कैबिनेट बैठक में ही लागू कर दिया जाएगा। निस्संदेह, हमारी राजनीति अब कोरे कागजी वादों-आश्वासनों से आगे निकलकर ठोस गारंटी तक पहुंच गई है। अब लोगों ने किस पर विश्वास किया, यह तो 3 दिसंबर को पता चलेगा, सबको इंतजार है।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

संयमित शारीरिक गतिविधि रोकेगी अचानक मौत

केके तलवार

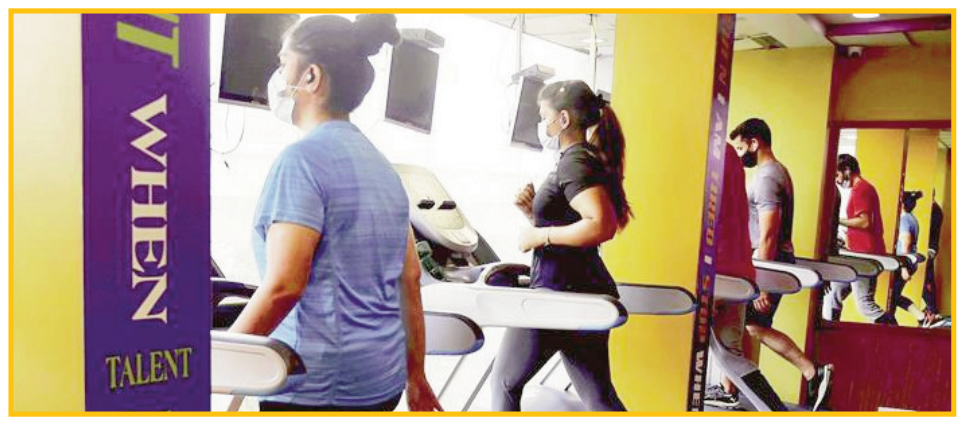

पिछले दिनों गुजरात में नवरात्रि उत्सव मनाने के दौरान एक दर्जन से अधिक अचानक होने वाली मौतों की खबर आई है। मरने वालों की उम्र किशोरवय से लेकर वयस्कों तक रही। गरबा नृत्य करते वक्त वे अचानक गिरे और प्राण पखेरू उड़ गए। इस त्रासदी ने फिर से सवाल उठाया है— क्या अत्यधिक शारीरिक व्यायाम या थकावट से अचानक मौत हो जाती है? पिछले कुछ सालों में, मशहूर गायक के प्रस्तुति देते वक्त और लोकप्रिय हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव व्यायाम करते समय मर गए। यह देखा गया है कि सघन व्यायाम करते समय ऐसी मौतों का जोखिम ज्यादा होता है। इसलिए, अतिशयी व्यायाम कुछ लोगों की अप्रत्याशित मृत्यु का कारण बनता है। आमतौर पर आरामतलब रहे लोग जब एकाएक भारी व्यायाम करने लगते हैं, तो मौत का जोखिम 50 गुणा अधिक हो जाता है। हालांकि विरले मामलों में, प्रशिक्षण अथवा प्रतिस्पर्धा के दौरान भी खिलाड़ी मरते देखे गए हैं। ज्यादातर मामलों में, अचानक मौत दिल की हालत से जुड़ी होती हैं। इस तरह से एकदम गिरने और मृत होने के पीछे कारण समझने की तुरंत जरूरत हैं ताकि बचाव के लिये रोधक उपाय किए जा सकें। मेडिकल दृष्टि से तथ्य यह है कि सामान्य व्यायाम दिल के रोगों से बचाव करता है और इसको एक महत्वपूर्ण दिल-सुरक्षा गतिविधि माना जाता है। लेकिन अत्यधिक व्यायाम करने पर कोरोनरी धमनी में जमा एथिरोस्क्लेरोटिक प्लाक (थक्का) फट जाता है, और 30 साल या उससे अधिक उम्र वालों की अचानक मौत हो जाती है। वे लोग जो अस्वास्थ्यकारी गतिविधियां जैसे कि धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन या आरामतलब जीवनशैली जीते हैं, उनकी धमनियों में चर्बी का थक्का बन जाता है। इससे धमनी में पैदा हुआ संकुचन सामान्यतः रक्त प्रवाह में महसूस करने लायक रुकावट नहीं बनाता, इससे वे लोग बिना लक्षणों वाले किंतु जोखिमज़दा वर्ग में होते हैं। अत्यधिक व्यायाम या गतिविधि करने पर थक्का, जिसकी प्रवृत्ति रक्त प्रवाह का दबाव बढ़ने से फटने की होती है, इसकी झिल्ली फटने से गाढ़ा पदार्थ धमनियों में जमा होकर थ्रोम्बोसिस और अवरोध बना देता है, नतीजतन हृदयाघात और यहां तक कि अचानक मौत हो जाती है। जिन लोगों को पहले से हृदयरोग है, उन्हें भारी व्यायाम से दूर रहना चाहिए। 30 साल से ऊपर की उम्र के वे लोग, जिनका पारिवारिक इतिहास हृदयरोग का है या अस्वास्थ्यकर जीवनशैली जीते हैं, उन्हें सघन व्यायाम करने से पहले अपने दिल की हालत का ऐतिहातन परीक्षण और आकलन करवाना चाहिए। कोरोनरी आर्टरी ऑब्स्ट्रक्शन बच्चों और किशोरवय में कम ही होती है। वे बच्चे, जो गरबा नृत्य करते वक्त मरे हैं, उनमें एक की उम्र 12 साल और एक की 17 वर्ष थी। इस आयु वर्ग में हृदयाघात की वजह ज्यादातर अनजाने रहे हाइपरट्रोपिक कार्डियोमायोपैथी या पुश्तैनी अरिहिथमिक डिस्ऑर्डर हो सकती है। आमतौर पर इस किस्म की व्याधि परिवार में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती है, इसलिए ऐसी स्थिति वाले छोटे बच्चों या किशोरों को सघन शारीरिक व्यायाम करने से पहले दिल की जांच करवा लेनी चाहिए। हालांकि, कई बार किसी का फिटनेस लेवल पता हुए भी कुछ मामलों में, बहुत अधिक या तेज-तेज व्यायाम करने से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन बन सकता है। कदाचित सामान्य व्यक्ति में भी खतरनाक वेंट्रिकुलर अरिहिथमिया बन जाए। कुछ किस्म के नृत्य, जैसे कि ब्रेक-डांस या सघन एरोबिक डांसिंग शारीरिक रूप से बहुत थकाऊ होते हैं। इसलिए इन्हें करने के पहले इनके गंभीर असर के बारे में पता होना चाहिए। इसके लिये बचाव के उपाय, जैसे कि बीच-बीच में रुककर अत्यधिक थकावट से बचना, शरीर में पानी की मात्रा उचित बनाए रखना और थकावट महसूस होने के बावजूद अचानक से या बहुत भारी व्यायाम न करना। आगे, यदि किसी को चक्कर आएं या मितली जैसी आने को हो या व्यायाम करते वक्त सांस में दिक्कत होने लगे तो तुरंत रुक जाना अति आवश्यक है। हाल ही में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया है कि उनमें भी अचानक हृदयाघात और मौतें देखी गई हैं, जिन्हें कोविड-19 का संक्रमण हुआ था।

जिनमें तीव्र कोविड लक्षण बने या कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा था, उन्हें जोखिम ज्यादा है। हालांकि इस अवलोकन की पुष्टि करने के लिए कोई निश्चित वैज्ञानिक सुबूत फिलहाल नहीं हैं। ऐसे मामलों में हुई मौतों के बाद किए गए देह-परीक्षणों (ऑटोप्सी) से अचानक मृत्यु की वजहें पहचानने में मदद मिल सकेगी। यह मालूम नहीं है कि क्या देह-परीक्षण उन लोगों के हुए हैं जिन्हें महामारी लहरों में कोविड हुआ और अब अचानक मौत हुई। वास्तव में, अप्रत्याशित मौतों में 30 फीसदी संख्या युवाओं की थी, रिवायती देह-परीक्षण से कारणों की स्पष्ट व्याख्या नहीं हो पाएगी। इसके लिए मॉलिकूलर ऑटोप्सी, जिसमें डीएनए सिक्वेंसिंग होती है, परीक्षण विधि ऐसे मामलों में छिपी चैनलोपैथी डिसऑर्डर को पहचानने में कारगर साधन हो सकती है। एहतियाती उपाय के अलावा, ऐसे मामले सामने पर जल्द की गई सीपीआर विधि (मुंह से मुंह में सांस भरना और छाती को हथेलियों से दबाना ताकि श्वास और धड़कन चालू हो सके) बहुत काम का जीवन-रक्षक उपाय है। इन मामलों में समय की अहमियत बहुत होती है और सीपीआर देने में प्रत्येक मिनट की देरी होने पर पीड़ित के बचने की संभावना 10 फीसदी कम होती जाती है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि लोगों को वक्त रहते जान बचाने हेतु आपातकालीन जीवन रक्षक उपाय करने सिखाए जाएं। इसके लिए समाज को प्रशिक्षित करने और मामला घटित होने पर आसपास के लोगों को जीवन-रक्षक संहिता अमल में लाने की काबिलियत बनवाई जाए। प्रभावशाली पुनर्जीवन उपायों के लिए बहुत जरूरी है तुरंत पहचान, त्वरित पहुंच, जल्द सीपीआर और शीघ्र डिफाइब्रिलेशन उपाय, और ये सब बहुत अहम हैं। अतएव, एक ऑटोमैटेड डिफाइब्रिलेटर और पुनर्जीवन-प्रदाय टीम मौके पर उपलब्ध होना सबसे महत्वपूर्ण है। जहां कहीं बहुत सारे लोग हों, जैसे कि हवाई अड्डा, शॉपिंग मॉल्स और बड़ी रिहायशी कालोनियां, वहां पर चल-ऑटोमैटेड डिफाइब्रिलेटर स्थापित किए जाएं। हृदयाघात होने पर बचने की संभावना तय करने में त्वरित उपाय समय पर करना बहुत अहमियत रखता है। यदि समुचित पुनर्जीवन-प्रदाय उपाय पहले 4-6 मिनट में न मिल पाए तो मस्तिष्क-घात या मस्तिष्क-मृत्यु का जोखिम बहुत बढ़ जाता है। भारत में अधिकांश लोगों को यह मालूम नहीं है कि यकायक किसी के गिरने पर क्या करना होगा। बेहतर परिणाम पाने का एक ही तरीका है कि आसपास इकट्ठा हुए लोगों में कोई प्रभावशाली सीपीआर कर पाए, डिफाइब्रिलेशन सहित। इस तरह समय रहते उपाय करने से बहुत- सी मौतें बचाई जा सकती हैं, इसलिए अचानक हृदयाघात के मामलों में बचाव नीति और प्रभावी पुनर्जीवन उपाय, दोनों ही अति महत्वपूर्ण हैं।

लेखक पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के पूर्व निदेशक हैं।

उपचार के साथ जीवनशैली बदलने की भी जरूरत

ज्ञानेन्द्र रावत

दुनिया में मानसिक रोगों से पीड़ित लोगों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। विश्व के 64 देशों के तकरीबन चार लाख लोगों पर किया गया अध्ययन इस तथ्य को प्रमाणित करता है कि दुनिया के एक-तिहाई से ज्यादा लोग मानसिक स्वास्थ्य की परेशानियों से ग्रस्त हैं। यह भी कि कोविड महामारी के बाद से लोगों की सेहत के स्तर में कोई सुधार नहीं हुआ। वहीं मानसिक समस्याओं से जूझ रहा हर तीसरा व्यक्ति अवसाद और एंग्जाइटी का शिकार है। आत्महत्या का विचार पनपने के पीछे भी यही अहम कारण है। वर्ष 2021 के दौरान अकेले भारत में 1,64,033 आत्महत्याएं हुईं। इस साल इन घटनाओं में वर्ष 2020 की तुलना में 7.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसके मुताबिक प्रतिदिन देश में 450 आत्महत्याएं हुईं। दि मेंटल स्टेट आफ द वर्ल्ड रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि लाख कोशिशों के बावजूद आज भी मानसिक स्वास्थ्य मजबूत करने की दिशा में विफलता इस रोग की बढ़ोतरी का अहम कारण है। उस हालत में, जब देश में 9,800 से ज्यादा मनोचिकित्सक और तकरीबन 3,400 क्लिनिकल साइकलोजिस्ट मौजूद हैं। हालांकि 10 साल पहले के मुकाबले कहीं अधिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है लेकिन मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की बहुत कमी है। वहीं देश में कुल बीमारियों में मानसिक विकारों का योगदान दोगुणा से भी ज्यादा है। इसमें 1990 के दशक से दोगुने से ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गयी। देश में कुल आबादी के 14 फीसदी से ज्यादा लोग मानसिक रोगों के शिकार हैं जिसमें 29-40 आयु वर्ग के लोग बहुतायत में हैं। इस बारे में यदि मानसिक समस्याओं से पीड़ित लोगों को निःशुल्क परामर्श देने वाले सायरस एंड प्रिया वांड्रेवाला फाउंडेशन की मानें तो मानसिक समस्याओं को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। करीब 53 फीसदी महिलाएं और 42 फीसदी से ज्यादा पुरुष व्हाट्स एप चैट के माध्यम से अपनी समस्याएं साझा कर रहे हैं। फाउंडेशन की प्रमुख प्रिया हीरानंदानी का कहना है कि एक-तिहाई लोग एंग्जाइटी, अवसाद और आत्महत्या की प्रवृत्ति से जूझ रहे हैं। यदि मानसिक समस्या के चलते आत्महत्या करने वालों का जायजा लें तो दुनिया भर में आत्महत्या के मामले बढ़ना बेहद चिंतनीय है। हर 40 सैकेंड में कोई एक व्यक्ति आत्महत्या कर रहा है। बीते साल विश्व में 8 लाख लोगों ने आत्महत्या की जिनमें 1.64 लाख से ज्यादा लोग भारत के थे। गौरतलब है कि जीवन का अंत करने से किसी समस्या का समाधान नहीं होता बल्कि आत्महत्या करने से प्रभावित पूरा परिवार आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक समस्याओं में फंस जाता है। एक आत्महत्या करीब 135 लोगों को प्रभावित करती है। इनमें आत्महत्या करने वाला परिवार, नजदीकी रिश्तेदार व मित्र शामिल होते हैं। यह आवेश में लिया गया कदम है। यदि आप आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के दिमाग को दूसरी दिशा में मोड़ सकते हैं तो आप उसकी जान बचा सकते हैं। इहबास संस्थान के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. ओम प्रकाश कहते हैं कि उनके पास ज्यादातर मूड खराब, अवसाद, घबराहट, नींद न आने, तनाव आदि समस्याओं के रोगी आते हैं। उनके मुताबिक, वे आत्महत्या के मिथक और बचाव को लेकर हेल्पलाइन टेली मानस के जरिये लोगों को जागरूक कर रहे हैं। दिल्ली में हर रोज 50-60 कॉल हेल्पलाइन पर लोग करते हैं। मौजूदा भागमभाग की जिंदगी भी मानसिक रोगों की अहम वजह है। इससे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। लोग इसके बावजूद मनोचिकित्सक के पास जाना नहीं चाहते। इसमें मानसिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी भी एक बड़ी वजह है। इस संदर्भ में मेंटल हेल्थ फाउंडेशन इंडिया और एम्स के डाक्टरों ने मिलकर एक वेब पोर्टल **happyfitindia- mhfindia-org** तैयार किया है। इसके माध्यम से लोग खुद अपने मानसिक स्वास्थ्य का ऑनलाइन परीक्षण कर सकते हैं। इस बारे में एम्स के मनोचिकित्सा विभाग के डॉ. नंद कुमार कहते हैं कि यह पहल मानसिक बीमारियों से बचाव और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रखने में मददगार है। वहीं हर मानसिक परेशानी के इलाज के लिए दवा की जरूरत नहीं। बगैर दवा के भी योग, जीवनशैली बदलने से भी मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सकता है। यदि पोर्टल पर परामर्श के बाद मानसिक परेशानी दूर नहीं होती तो चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। जहां तक अवसाद का सवाल है, आज कोई भी व्यक्ति पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। अवसाद या डिप्रेशन के दौरान इंसान के शरीर में खुशी देने वाले हार्मोन का बनना कम या बंद हो जाता है। इसकी वजह से आप चाहकर भी खुश नहीं हो सकते। आगरा स्थित प्रख्यात मनोचिकित्सक डॉ. केसी गुरनानी का मानना है कि जिस तरह शरीर में अंदरूनी दोष के चलते बीमारियां होती हैं, उसी तरह दिमाग की कार्यप्रणाली प्रभावित होने पर तनाव व अवसाद होता है। दिमाग में तरह-तरह के विचार आते हैं जिनका असर मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर पड़ता है। सेरेटोनिन, डोपामाइन आदि कई तरह के हारमोन प्रभावित होने लगते हैं। अवसाद की समस्या अब व्यक्ति विशेष या देश की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की है। मोबाइल ने इसमें और इजाफा किया है। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य को अपने जीवनशैली का हिस्सा बनाना समय की मांग है। मानसिक स्वास्थ्य की बेहतर समझ ही इस समस्या का हल है। वहीं इलाज के अलावा पीड़ितों के दुख-दर्द में सहयोग और साथ देने का विश्वास दिलाने की बेहद जरूरत है।

विचार मंथन

कड़ी टक्कर, परिवर्तन की लहर और लाडली बहना का चुनाव पर असर

(लेखक - सनत जैन)

मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को मतदान हो गया है। छत्तीसगढ़ में भी दूसरे चरण का मतदान खत्म हो गया है। चुनाव के बाद मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा अटकलों का दौर चल पड़ा है। मतदाताओं की बात करें तो वह कहते हैं कड़ी टक्कर है। नेता और कार्यकर्ता भी कड़ी टक्कर की बात करते हैं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में यही कहा जा रहा है कि कड़ी टक्कर है। उसके बाद फिर जो उम्मीदवार जितना भारी होता है उसके जीत के अनुमान लगाए जा रहे हैं। यह कड़ी टक्कर आती कहां से है। चुनाव सर्वेक्षण द्वारा जो गणित मतदाताओं के मन में समाचार पत्रों और टीवी चैनलों द्वारा बैठा दिया जाता है। उसके बाद सब कुछ स्पष्ट होते हुए भी अंत तक अ निर्णय की स्थिति बनी रहती है। मध्य प्रदेश में 230 विधानसभा सीटों में से 113 से 125 सीटों के बीच में कांग्रेस के जीतने की संभावना व्यक्त की गई है। वहीं भाजपा के लिए 104 से 116 सीट जीतने की संभावना व्यक्ति की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य के बारे में भी कहा जा रहा है कि 39 से 45 सीटों पर भाजपा और कांग्रेस 45 से 51 सीटों पर चुनाव जीत सकती है। निश्चित रूप से पत्रकारों, मीडिया संस्थानों को राजनीतिक दल के कार्यकर्ता नेता और मतदाता सभी यह मानकर चलते हैं कि इन्हें दूसरों से अलग जानकारी होती है। इनके पास सभी वर्गों का संपर्क होता है, जिसके कारण इनका आकलन काफी कुछ सही हो सकता है। जिसके फलस्वरुप मतदान होने के बाद भी यही कहा जा रहा है, कि कड़ी टक्कर है। कुछ भी हो सकता है। मतदान के बाद भी कोई स्थिति स्पष्ट रूप से समझ में नहीं आ रही है। मतदाताओं के बीच में मतदान में खुलकर बदलाव देखने को मिल रहा था। मतदाता पहली बार परिवर्तन की बात कर रहा था। इसको लेकर भी तरह-तरह की आशंका जताई जा रही है। कांग्रेस पक्ष का कहना है कि परिवर्तन की लहर पूरे प्रदेश में चल रही है। मतदाता हर हाल में 20 साल से जो रोटी एक ही तवे में सिक रही है, उससे परेशान होकर अब सरकार बदलना चाहती हैं। कांग्रेस पक्ष का कहना है कि यह परिवर्तन की लहर है। इस चुनाव में उसे 150 से ज्यादा सीटों पर विजय हासिल हो रही है। वहीं सत्ता पक्ष भारतीय जनता पार्टी का मानना है इस बार लाडली बहना कमाल दिखा रही हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना में महिलाओं को जो 1000 और 1250 रुपए उनके खाते में ट्रांसफर किए हैं, उसके बाद महिलाओं ने एक तरफा भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान किया है। महिलाओं का मतदान भी बहुत अच्छा देखा गया है। मतदान केंद्रों में महिलाओं की लंबी-लंबी लाइन लगी थी। भाजपा आस्वत् है, कि सरकार तो भाजपा की ही बनेगी। बहरहाल मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ में मतदान हो चुका है। राजस्थान और तेलंगाना के चुनाव अभी बाकी हैं। आम जनता इस बार जिस तरह से मुखर होकर अपनी राय व्यक्त कर रही थी। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी के साथ-साथ मध्य प्रदेश में जिस तरह से परिवर्तन की बात मतदाता कह रहा था, उससे स्पष्ट है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में एक लहर भी चल रही थी। जिस तरीके से मन में धारणा बन गई है, उसमें प रिवर्तन की लहर का असर सामने दिख नहीं रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है किसी भी चुनाव में सभी राजनीतिक दलों के कमिटेड वोट की संख्या 40 फ़ीसदी से ज्यादा नहीं होती है। यदि परिवर्तन की लहर है, तो निश्चित रूप से बड़ा बदलाव हो सकता है। 60 फ़ीसदी नान- कमिटेड मतदाता हवा के साथ बह जाते हैं। यह लहर मध्य प्रदेश में मतदान के समय देखने में आई है। उसके बाद सारी शंकाओं-आशंकाओं के बाद भी यह कहा जा सकता है, कि 2003 की तरह 2023 के चुनाव प रिणाम आश्चर्यजनक और चमत्कारी साबित हो सकते हैं। 2003 में

भी कहा जा रहा था कि दिग्विजय प्रबंधन और जोड़तोड़ करके सरकार बना लेंगे, ले किन जब चुनाव प रिणाम सामने आये तो 2 तिहाई बहुमत से भाजपा ने चुनाव जीत लिया था। वैसी ही स्थिति 2023 के मतदान में देखने को मिल रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सॉफ्टबैंक ने डेल्हीवरी में 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । जापानी समूह सॉफ्टबैंक ने खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से एकीकृत लॉजिस्टिक्स प्रदाता डेल्हीवरी में 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी 739 करोड़ रुपये में बेच दी। एनएसई के पास उपलब्ध थोक सौदे के आंकड़ों के अनुसार, सॉफ्टबैंक ने अपने सहयोगी एसवीएफ डोरबेल (केमैन) लिमिटेड के माध्यम से 1,83,05,480 शेयर बेचे, जो डेल्हीवरी में 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। शेयरों का निपटान औसतन 403.51 रुपये की कीमत पर किया गया, जिससे कुल सौदे का आकार 738.64 करोड़ रुपये बैठता है। इस लेनदेन के बाद डेल्हीवरी में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी 14.46 प्रतिशत से घटकर 11.96 प्रतिशत रह गई है। मार्च में सॉफ्टबैंक ने खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से 954 करोड़ रुपये में डेल्हीवरी में 3.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची थी।

आरबीआई ने रिलायंस कैपिटल के हिंदुजा समूह इकाई के अधिग्रहण को दी मंजूरी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल के लिए समाधान योजना को मंजूरी दे दी। इस कदम से अंततः हिंदुजा समूह की इकाई - इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) के लिए कंपनी के अधिग्रहण का रास्ता साफ हो गया है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि आपको सूचित किया जाता है कि रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के प्रशासक को भारतीय रिजर्व बैंक से 17 नवंबर, 2023 के पत्र के माध्यम से 'अनापत्ति' प्राप्त हुई है। लंबी लड़ाई के बाद, आईआईएचएल इस अप्रैल में संपन्न नीलामी के दूसरे दौर में रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण करने के लिए 9,650 करोड़ रुपये की पेशकश के साथ सबसे अधिक बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी थी।आरबीआई ने 29 नवंबर, 2021 को भुगतान चूक और गंभीर शासन संबंधी मुद्दों को देखते हुए रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को भंग कर दिया। आरबीआई ने कंपनी के कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के संबंध में नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त किया। रिलायंस कैपिटल तीसरी बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है,जिसके खिलाफ आरबीआई ने दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के तहत दिवालियापन की कार्यवाही शुरू की थी। अन्य दो श्रेई ग्रुप एनबीएफसी और दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन (डीएचएफएल) थे। बाद में केंद्रीय बैंक ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की मुंबई पीठ में कंपनी के खिलाफ सीआईआरपी शुरू करने के लिए एक आवेदन दायर किया।

हुंडई समूह के प्रमुख ने एलिवेटर इकाई में बोर्ड के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया

सोल। कंपनी के प्रबंधन ढांचे को बेहतर बनाने के लिए हुंडई समूह की अध्यक्ष ह्यून जियोंग-यूं अगले महीने समूह की एलिवेटर इकाई में निदेशक मंडल के अध्यक्ष के रूप में पद छोड़ देंगी। कंपनी ने एक बयान में बताया कि ह्यून ने कंपनी की बोर्ड बैठक में हुंडई एलिवेटर कंपनी के अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा दे दिया। समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, ह्यून ने बयान में कहा, व्यवसायों में एक एडवांस सरकारी संरचना की बढ़ती मांग का सामना करते हुए, मुझे लगता है कि हुंडई एलिवेटर को भी निदेशक मंडल-केंद्रित प्रबंधन निर्णयों के लिए जवाबदेह बनाने की जरूरत है। बयान में कहा गया है कि हुंडई एलिवेटर 29 दिसंबर को एक असाधारण शेयरधारकों की बैठक में एक नया निदेशक मंडल बनाएगी और नया निदेशक मंडल एक नए अध्यक्ष का चयन करेगा।

इस वर्ष भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले केवल सात स्टार्टअप को फंडिंग

नई दिल्ली।

एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप में फंडिंग 2014 में 183 स्टार्टअप से घटकर इस साल अब तक केवल 7 रह गई है। महिलाओं के नेतृत्व वाली कंपनियों के लिए फंडिंग परिदृश्य में राउंड की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 2014 में 171 से बढ़कर 2022 में 460 हो गई। हालांकि, अग्रणी मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में भारी गिरावट आई और राउंड की संख्या घटकर 185 रह गई। ज़ोमैटो, बायजू लेंसकार्ट और ज़ेरोधा भारत के शीर्ष 10 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप में से हैं।आंकड़ों से पता चलता है कि बेंगलुरु में 1783 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप हैं, जो अहमदाबाद के बिल्कुल विपरीत है, जहां 181 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप हैं।इस बीच, भारत में इस साल एक तिमाही में तकनीकी फंडिंग में लगातार तीसरी गिरावट देखी गई, जुलाई-सितंबर अवधि में पिछले पांच वर्षों में सबसे कम फंड वाली तिमाही बन गई।

ट्रैक्सन के अनुसार, 2023 की तीसरी तिमाही में फंडिंग में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई, कुल 1.5 बिलियन डॉलर जुटाए गए, जो पिछली तिमाही से 29 प्रतिशत की कमी और 2022 तीसरी तिमाही की तुलना में 54 प्रतिशत की भारी गिरावट है। अंतिम चरण के दौर में 33 प्रतिशत की कमी देखी गई, जबकि प्रारंभिक चरण और प्रारंभिक चरण की फंडिंग में पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में क्रमशः 74 प्रतिशत और 75 प्रतिशत की गिरावट आई।

टाइम मैगजीन की सूची में वर्ल्ड बैंक अध्यक्ष अजय बंगा समेत 9 शामिल

न्यूयॉर्क।

टाइम पत्रिका की जलवायु के क्षेत्र में योगदान को देखते हुए विश्व के 100 सबसे प्रमुख लोगों की सूची में 9 भारतीय और भारतीय मूल के नागरिक जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। इनमें विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा और ओला इलेक्ट्रिक के सह-संस्थापक भाविश अग्रवाल भी शामिल हैं। टाइम 100 जलवायु सूची में दुनियाभर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), संस्थापक, परोपकारी, संगीतकार, नीति निर्माता और सरकारी अधिकारी शामिल हैं। यह सूची संयुक्त अरब अमीरात में 30 नवंबर से शुरू हो रहे संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन से पहले जारी हुई है। टाइम मैगजीन की इस सूची में बंगा और अग्रवाल के अलावा द रॉकफेलर फाउंडेशन के अध्यक्ष राजीव जे. शाह, बोस्टन कॉमन एसेट मैनेजमेंट की संस्थापक और अध्यक्ष गीता अय्यर, अमेरिकी ऊर्जा विभाग ऋण कार्यक्रम कार्यालय के निदेशक जिगर शाह, हस्क पावर सिस्टम्स के सीईओ और सह-संस्थापक मनोज सिन्हा, कैसर परमानेंट के लिए पर्यावरण प्रबंधन की कार्यकारी निदेशक सीमा वाधवा और महिंद्रा लाइफस्पेसेज के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित कुमार सिन्हा भी शामिल हैं। टाइम ने एक बयान में कहा कि जून में विश्व बैंक के अध्यक्ष बने बंगा (64) संस्था के लिए जलवायु परिवर्तन से लड़ते हुए गरीबी उन्मूलन के एक नए मिशन की शुरुआत कर रहे हैं।

सप्ताह में दो दिन गिरावट और दो दिन तेजी रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह मंगलवार को दिवाली प्रतिप्रदा के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से पांच कारोबारी दिनों की बजाय केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 0.28 फीसदी और निफ्टी 0.17 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स कमजोर दिखे। इससे पहले दिवाली दिन मुहुर्त ट्रेडिंग के दौरान शेयर बाजार में मजबूती दिखी थी। सोमवार को सेंसेक्स 271.41 अंकों की गिरावट के साथ 64,987.34 पर खुला और 325.58 अंक की गिरावट के साथ 64,933.87 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स करीब 600 अंक चढ़कर 65,500 पर खुला और 742.06 अंकों की बढ़त के साथ 65,675.93 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी करीब 150 अंकों की मजबूती के साथ 19600 पर खुला और 231.91 अंकों की बढ़त के साथ 19,675.45 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को शेयर बाजार की शुरूआत थोड़ी नरमी के साथ हुई थी. हालांकि दोपहर बाद सेंसेक्स और निफ्टी में काफी तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 400 अंक बढ़कर 66,156.30 हजार पर खुला और 306.55 अंक यानी 0.47 फीसदी की तेजी में रहा और 65,982.48 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 0.67 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 19 हजार के पार खुला और 87.10 अंक की बढ़त के साथ 19,762.55 पर बंद हुआ। शेयर बाजार शुक्रवार को कमजोरी के साथ खुले। बाजार के प्रमुख इंडेक्स दो दिनों के अंतराल के बाद लाल निशान में कारोबार करते दिखे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 140 अंक गिरकर 65,850 पर खुला और 187.75 (-0.28 फीसदी) अंकों की गिरावट के साथ 65,794.73 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 20 अंकों की गिरावट के साथ 19,750 पर खुला और 33.41 (0.17 फीसदी) अंकों की गिरावट के साथ 19,731.80 पर बंद हुआ।

ऑल्टमैन को भारी नुकसान, वर्ल्डकॉइन का क्रिप्टो टोकन 12 फीसदी गिरा

सैन फ्रांसिस्को ।

ओपनएआई के सीईओ पद से बर्खास्त होने के बाद सैम ऑल्टमैन को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उनके द्वारा सह-स्थापित क्रिप्टो प्रोजेक्ट वर्ल्डकॉइन का टोकन शनिवार को क्रैश हो गया। कॉइन मार्केट कैप डेटा के अनुसार, डब्ल्यूएलडी नामक टोकन 12 प्रतिशत से अधिक गिरकर 1.91 डॉलर पर आ गया। ऑल्टमैन के क्रिप्टो प्रोजेक्ट ने मई में ब्लॉकचेन कैपिटल के नेतृत्व में सीरीज सी राउंड में 115 मिलियन डॉलर जुटाए। जुलाई में, ऑल्टमैन ने ऑनलाइन एआई से एक विश्वसनीय समाधान बनाने, वैश्विक लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सक्षम करने और आर्थिक अवसर में भारी वृद्धि करने में मदद करने के लिए आईबॉल-स्कैनिंग क्रिप्टोकरेंसी स्टार्टअप वर्ल्डकॉइन लॉन्च किया।

उस दौरान ऑल्टमैन ने कहा था कि सफल होने पर हमारा मानना है कि वर्ल्डकॉइन आर्थिक अवसरों में भारी वृद्धि कर सकता है, गोपनीयता बनाए रखते हुए ऑनलाइन एआई से ह्यूमन को अलग करने के लिए एक विश्वसनीय समाधान का पैमाना बना सकता है, वैश्विक लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सक्षम कर सकता है, और अंततः एआई-फंडिंग यूबीआई के लिए एक संभावित रास्ता दिखा सकता है। गौरतलब है कि वर्ल्डकॉइन में एक गोपनीयता-संरक्षण डिजिटल पहचान (वर्ल्ड आईडी) शामिल है और एक डिजिटल मुद्रा (डब्ल्यूएलडी) केवल प्राप्त की जाती है। वर्ल्डकॉइन के एप्लिकेशन के चार मिलियन से अधिक डाउनलोड हैं और इसके एक्टिव यूजर्स विश्व स्तर पर दोगुने से भी अधिक हैं। इस बीच, ऑल्टमैन को एआई चैटबॉट चैटजीपीटी के डेवलपर ओपनएआई के सीईओ के पद से हटा दिया गया और कंपनी के बोर्ड ने कहा कि उसे अब ओपनएआई का नेतृत्व जारी रखने की उनकी क्षमता पर भरोसा नहीं है।

सेबी ने बिना पैन, केवाईसी वाली भौतिक प्रतिभूतियों पर रोक का आदेश वापस लिया

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को अपने पहले के आदेश को रद्द कर दिया जिसमें पैन, केवाईसी विवरण और नामांकन के बिना भौतिक प्रतिभूतियों के धारकों के फोलियो को फ्रीज करने का प्रावधान था।सेबी के सर्कुलर के मुताबिक, यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू होगा। पहले के नियम के तहत, सूचीबद्ध कंपनियों में भौतिक प्रतिभूतियों के सभी धारकों के लिए पैन, नॉमिनेशन, कॉन्टेक्ट डिटेल, बैंक खाता विवरण और उनके संबंधित फोलियो नंबरों के लिए नमूना हस्ताक्षर प्रस्तुत करना अनिवार्य था। सेबी ने मई में कहा था कि जिन फोलियो में ऐसे दस्तावेजों में से कोई भी 1 अक्टूबर 2023 को या उसके बाद उपलब्ध नहीं है, उन्हें इश्यू और शेयर ट्रांसफर एजेंटों (आरटीए) के रजिस्ट्रार द्वारा फ्रीज करना आवश्यक है। सेबी ने अपने नए संशोधन में कहा है कि फ्रीजिंग/फ्रोजन शब्द का संदर्भ हटा दिया गया है। सेबी ने कहा, रजिस्ट्रार एसोसिएशन ऑफ इंडिया से प्राप्त अभ्यावेदन, निवेशकों से फीडबैक के आधार पर, और बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 और/या रोकथाम के तहत फोलियो को फ्रीज करने और फ्रीज फोलियो को प्रशासन प्राधिकारी को संदर्भित करने के कारण अनपेक्षित चुनौतियों को कम करने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम, 2002 के उपरोक्त प्रावधानों को खत्म करने का निर्णय लिया गया है।

कतर ने एलएंडटी पर 239 करोड़ रुपये का कर जुर्माना लगाया

मुंबई। भारत की निर्माण और इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) पर कतर के आयकर अधिकारियों ने कंपनी द्वारा घोषित आय और विभाग के आकलन में कथित भिन्नता के लिए 111.31 करोड़ रुपये और 127.64 करोड़ रुपये के अलग-अलग दो जुर्माने लगाए हैं। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी।एलएंडटी ने नियामक बयान में कहा, अप्रैल 2016 से मार्च 2017 और अप्रैल 2017 से मार्च 2018 के बीच कर निर्धारण अवधि के लिए जुर्माने लगाये हैं जिनकी कुल राशि 238.9 करोड़ रुपये है। कंपनी का मानना है कि यह मनमाना और अनुचित है। इस जुर्माने के खिलाफ एक अपील दायर की गई है। कंपनी ने कहा कि वह अपीलीय स्तर पर अनुकूल परिणाम को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है और इससे कंपनी की वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। खाड़ी क्षेत्र एलएंडटी के लिए एक प्रमुख बाजार है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर छमाही में उसके ऑर्डर प्रवाह में 41 प्रतिशत का योगदान इसी क्षेत्र का है। सितंबर के अंत तक कंपनी के 4,50,700 करोड़ रुपये के ऑर्डर बुक का 32 प्रतिशत ऑर्डर पूरा हो गया।

सुपरस्टार निवेशक कम या बिना कर्ज वाली कंपनियों को दे रहे प्राथमिकता

नई दिल्ली।

ट्रेंडलाइन के एक विश्लेषण के अनुसार, सुपरस्टार निवेशकों के बीच एक दिलचस्प प्रवृत्ति कम या बिना कर्ज वाली कंपनियों को प्राथमिकता देना है। उदाहरण के लिए, विजय केडिया की शीर्ष तीन होल्डिंग्स, अतुल ऑटो, तेजस नेटवर्क और एलेकॉन इंजीनियरिंग, जो उनके पोर्टफोलियो का आधा हिस्सा हैं, पर या तो न्यूनतम ऋण है या ऋण-मुक्त हैं। कम ऋण को उच्च राजस्व वृद्धि के साथ संयोजित करने की रणनीति ने उनके लिए रिजल्ट दिए हैं। मिड और स्मॉल-कैप स्टॉक, जो अपने उच्च जोखिम-इनाम अनुपात के लिए जाने जाते हैं, ने केडिया जैसे निवेशकों को उच्च रिटर्न दिया है। उनकी शीर्ष तीन में से दो होल्डिंग्स में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केडिया की कुल संपत्ति वित्तीय वर्ष 24 की पहली और दूसरी तिमाही में क्रमशः 65 प्रतिशत और 40 प्रतिशत बढ़ी। ट्रेंडलाइन के अनुसार, कुल मिलाकर, पिछले वर्ष में उनके पोर्टफोलियो में 88 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे वह रेखा झुनझुनवाला के बाद दूसरे सबसे अच्छे प्रदर्शन करने वाले शख्स बन गए हैं। रेखा झुनझुनवाला अपनी नेटवर्थ में 209 प्रतिशत की वृद्धि के साथ इस सूची में सबसे आगे हैं। यह तीव्र वृद्धि काफी हद तक उनके दिवंगत पति राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो को विरासत में मिलने और टाइटन में उनकी हिस्सेदारी लगातार बढ़ने के कारण है। इसके अलावा, टाइटन और टाटा मोटर्स, उनकी शीर्ष दो होल्डिंग्स में पिछले वर्ष के दौरान 24 प्रतिशत और 57 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 23 की तीसरी और चौथी तिमाही में उच्च अस्थिरता के बावजूद, अधिकांश सुपरस्टार निवेशकों की कुल संपत्ति में एक साल के बदलाव से कुल मिलाकर काफी वृद्धि हुई है। विश्लेषण में कहा गया है कि निवेश में बने रहने और बाजार गिरने पर निवेश जोड़ने की उनकी रणनीति ने पिछले साल अधिकांश सुपरस्टार निवेशकों की शुद्ध संपत्ति बढ़ाने में मदद की है। पिछले तीन वर्षों में आशीष कचोलिया और अनिल कुमार गोयल की शीर्ष होल्डिंग्स की औसत राजस्व वृद्धि 100 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

नोएडा और लखनऊ में सस्ता हुआ पेट्रोल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में अचानक तेजी देखी गई है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 4 फीसदी उछलकर 75.86 प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड भी 4 प्रतिशत की तेजी के साथ 80.62 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। शनिवार को कुछ शहरों में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के भाव में बदलाव किया है। आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 0.53 पैसे और डीजल 0.49 पैसे महंगा हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये (0.33 पैसे सस्ता) और डीजल 89.76

रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.34 रुपये और डीजल 89.52 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.80 रुपये (0.32 पैसे सस्ता) और डीजल 89.99 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

मस्क के यहूदी विरोधी पोस्ट के बाद एप्पल व अन्य प्रमुख कंपनियों ने एक्स से विज्ञापन लिए वापस

सैन फ्रांसिस्को।

टेक प्रमुख आईबीएम के बाद, आईफोन निर्माता एप्पल ने भी कथित तौर पर एक्स से विज्ञापन वापस ले लिया है क्योंकि इसके मालिक एलन मस्क लगातार उन पोस्ट से सहमति जता रहे हैं जो यहूदी विरोधी भावना को बढ़ावा देते हैं। एक्सियोस ने शुक्रवार देर रात रिपोर्ट दी कि मस्क द्वारा यहूदी विरोधी साजिश सिद्धांतों के समर्थन के बाद एप्पल मस्क द्वारा संचालित प्लेटफॉर्म पर सभी विज्ञापन रोक रहा है। एप्पल एक्स पर एक प्रमुख विज्ञापनदाता रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि डिज्नी, वार्नर ब्रदर्स, डिस्कवरी, पैरामाउंट और कॉमकास्ट/एनबीसीयूनिवर्सल भी अपने विज्ञापन रोक रहे हैं। कम से कम दो अन्य संगठनों, लायंसगेट और यूरोपीय आयोग ने भी कथित तौर पर दुष्प्रचार के प्रसार से संबंधित व्यापक चिंताओं के कारण एक्स पर विज्ञापन रोक दिया है। गैर-लाभकारी संगठन मीडिया मैटर्स ने इस विषय पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि मस्क श्वेत राष्ट्रवादी और यहूदी विरोधी षड्यंत्र के सिद्धांतों पर आगे बढ़ रहा है, उनका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एडॉल्फ हिटलर और उनकी नाजी पार्टी का

समर्थन करने वाले कंटेंट के आसपास एप्पल, ब्रावो (एनबीसीयूनिवर्सल), आईबीएम, ओरेकल और एक्सफिनिटी (कॉमकास्ट) जैसे प्रमुख ब्रांडों के लिए विज्ञापन दे रहा है।मीडिया मैटर्स ने एक रिपोर्ट में कहा, एक्स ने अपने निर्माता विज्ञापन राजस्व साझाकरण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में कट्टरपंथियों के कई अकाउंट्स को भी बहाल किया है और दूर-दराज चरमपंथियों को भुगतान किया है, जिसमें जाहिर तौर पर हिटलर-समर्थक और होलोकॉस्ट डेनियर अकाउंट भी शामिल है।रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्क द्वारा प्रेरित इस अराजकता के दौरान, हिटलर समर्थक, होलोकॉस्ट डेनियल, श्वेत राष्ट्रवादी, हिंसा समर्थक और नव-नाजी अकाउंट्स पर कॉर्पोरेट विज्ञापन भी दिखाई दे रहे हैं। मस्क ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट कियाः मीडिया मैटर्स पूरी तरह से नुकसानदायक है।

अमेजन अपनी एलेक्सा डिवीजन में सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई ।

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन अपनी एलेक्सा डिवीजन में कई कर्मचारियों की छुट्टी करने की योजना बना रही है। अमेजन ने ये फैसला एआई पर नए सिरे से काम करने के बीच लिया है। अमेजन के एलेक्सा और फायर टीवी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कर्मचारियों को भेजे एक नोट में लिखा है कि कंपनी कुछ भूमिकाओं को समाप्त करने जा रही है। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम लगातार आविष्कार कर रहे हैं और हम अपनी व्यावसायिक प्राथमिकताओं के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए अपने कुछ प्रयासों को स्थानांतरित कर रहे हैं। हम जानते हैं कि यह आविष्कार ग्राहकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है, जिसमें हमारे संसाधनों को अधिकतम करना और एआई पर केंद्रित प्रयास शामिल हैं। दरअसल, अमेजन को एआई के क्षेत्र में दूसरी कंपनियों से कड़ी टक्कर मिल रही है। इसके चलते कंपनी लगातार एआई के क्षेत्र में अपनी पकड़ को मजबूत करना चाहती है। कंपनी द्वारा पिछले कुछ महीनों में एआई से संबंधित कई कदम भी उठाए गए हैं। सितंबर में अमेजन ने एलेक्सा में एआई को लेकर अपडेट किया था। अमेजन द्वारा जारी आदेश का का असर अमेरिका, कनाडा और भारत में देखने को मिलेगा। कंपनी के अनुसार भारत-कनाडा और अमेरिका के कर्मचारियों पर कटौती का असर पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने पिछले साल के ओ खिर में और इस साल की शुरुआत में 27,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था।

इस कटौती में भी अमेजन की एलेक्सा डिवीजन प्रभावित हुई थी।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल-रोहित गठबंधन- विश्वास, सम्मान, साझा सपने पर बना रिश्ता!

मुंबई, आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 में भारतीय क्रिकेट टीम की जबरदस्त सफलता का एक कारण शीर्ष खिलाड़ियों की शानदार फॉर्म और सनसनीखेज प्रदर्शन के अलावा कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा की प्रबंधन टीम भी है। रोहित ने भारत के लिए अब तक चीजों को संभव बनाया है। द्रविड़ के पृष्ठभूमि से आगे बढ़ने और रोहित शर्मा द्वारा मैदान पर योजनाओं को क्रियान्वित करने के साथ, भारत ने लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश करके एक रिकॉर्ड बनाया है, जहां रविवार को अहमदाबाद में उनका सामना पांच बार के विजेता ऑस्ट्रेलिया से होगा।भारतीय क्रिकेट टीम में उनके बीच किस तरह के संबंध हैं, यह समझने के लिए किसी को केवल नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लेना होगा और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ दोनों द्वारा दिए गए साक्षात्कारों को देखना होगा। यह सौहार्द, आपसी सम्मान और प्रशंसा का सहजीवी संबंध है जिसने उन्हें एक टीम के रूप में एकजुट होने में मदद की, जिसने विश्व कप के फाइनल में सभी जीत के रिकॉर्ड के साथ मजबूत विरोधियों को आसानी और सेटिंग के साथ हराया। रविवार को अहमदाबाद में जब वे पांच बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगे तो वे खुद खिताब जीतने के प्रबल दावेदार बन जाएंगे।

आज भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच महा मुकाबला

तीसरी बार विजेता बनने उतरेगा भारत ऑस्ट्रेलिया के पास 7वीं बार परचम लहराने का मौका

अहमदाबाद ।

क्रिकेट मैच में टॉस सबसे अहम हिस्सा होता है। क्रिकेट में मैदान पर कमाल के साथ ही कई बार टीमों को किस्मत का भी साथ चाहिए होता है। कई बार ऐसी परिस्थिति होती है कि टॉस के साथ ही लगभग तय हो जाता है कि विजेता कौन होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल होना है। इसके पहले भी पिच के साथ ही टॉस को लेकर चर्चा हो रही है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस टॉस जीतने पर पहले क्या चुनने वाले हैं, इसकी चर्चा जोरों पर हैं।

बात दें कि दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर 11 पिचें हैं। अभी तक साफ नहीं है कि मुकाबला किस पिच पर होगा। लेकिन इतना तय हैं कि मैच वैसी पिच पर होगी, जहां स्पिनर्स को मदद मिलेगी। अच्छी खासी टर्न देखने को मिल सकती है। इसके बाद टॉस जीतने वाला कप्तान पहले बल्लेबाजी ही करेगा। क्योंकि पुराने होने के साथ पिच पर बल्लेबाज मुश्किल होती जाएगी। कोलकाता में हुए ऑस्ट्रेलिया और द.अफ्रीका के सेमीफाइनल में भी ऐसा ही हुआ था।

वैसे भी क्रिकेट को जानने वाले हमेशा कहते हैं कि बड़े मैचों में टीमों को पहले बल्लेबाजी ही करनी चाहिए। लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को हमेशा स्कोरबोर्ड प्रेशर होता है। 1983 में भारत ने 183 रन बनाकर खिताब जीत लिया था। 2019 में इंग्लैंड की विस्फोटक बैटिंग लाइनअप 242 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई थी और अंत में मुकाबला जैसे-तैसे टाई हो पाया था। इसलिए वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में रोहित शर्मा टॉस जीते या फिर पैट कमिंस, पहले बल्लेबाजी ही चुने।

फाइनल मुकाबले में बड़े स्कार की उम्मीद कम

वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल मुकाबले का मंच सजकर तैयार है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खिताबी मुकाबला 19 नवंबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना। इस मैच में शायद बड़ा स्कोर देखने को ना मिले। फाइनल मुकाबला भी उसी पिच पर खेला जाएगा, जहां 14 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान भिड़े थे। यह मैच 73 ओवर में ही खत्म हो गया था। पिच को लेकर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि मैं अच्छा पिच रीडर नहीं हूं, लेकिन यह काफी ठोस लग रहा है। कुल मिलाकर विकेट अच्छा लग रहा है, लेकिन अभी मैच शुरू होने में 24 घंटे का समय बाकी है। फाइनल मैच काली मिट्टी की पिच पर होना है। अमूमन काली मिट्टी की पिच स्पिनर्स को अधिक मदद देती हैं। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की टीम पहले खेलकर सिर्फ 191 रन ही बना सकी थी। बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए थे।

फाइनल मैच से पहले कमिंस ने कहा कि इसमें शक नहीं है कि अपने देश में अपने विकेट पर खेलने के कुछ फायदे हैं। यहां पर आप लगातार खेल रहे हैं। लेकिन हमने भी यहां बहुत क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि आपको धीमी और बाउंसर गेंदों के बीच संतुलना बनाना होगा। भारतीय पिचों पर पारी के अंत में कटर गेंद का फायदा मिलता है। मालूम हो कि ग्रुप राउंड में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को हरा चुकी है।

कमिंस ने कहा कि टॉस शायद महत्वपूर्ण नहीं होगा। लेकिन हमारे पास कुछ प्लान है। वनडे वर्ल्ड कप का यह 13वां सीजन है। अब तक हुए 12 सीजन की बात करें, तब ऑस्ट्रेलिया ने 5 भारतीय टीम ने 2 खिताब जीते हैं।

दोनों टीमें

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयसअय्यर, केएल राहुल, इशान किशन, सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, रविचंद्रन अश्विन, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया: पैट कमिंस (कप्तान), स्टीवन स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), सीन एबॉट, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा, मिशेल स्टार्क, मार्नस लाबुशेन।

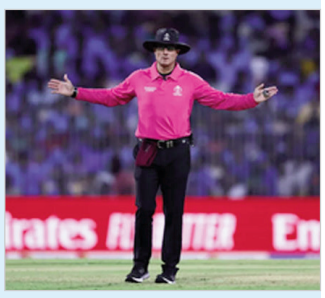

रिचर्ड इलिंगवर्थ और रिचर्ड कैटलबोरो फाइनल में होंगे मैदानी अंपायर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ और रिचर्ड केटलबोरो रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मेजबान भारत और पांच बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व कप 2023 फाइनल के लिए ऑन-फील्ड अंपायर होंगे। वहीं, थर्ड अंपायरिंग की जिम्मेदारी वेस्टइंडीज के जोएल विल्सन को सौंपी गई है। इलिंगवर्थ और केटलबोरो, जिन्हें नवंबर 2009 में एक ही दिन आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय सूची में प्रमोट किया गया था। दोनों ने इस सप्ताह के सेमीफाइनल के दौरान ऑन-फील्ड अंपायर की भूमिका निभाई। यह दूसरी बार होगा जब केटलबोरो शोपीस अवसर के लिए ऑन-फील्ड अंपायर होंगे। 50 वर्षीय इससे पहले 2015 पुरुष वनडे विश्व कप फाइनल में कुमार धर्मसेना के साथ इस भूमिका में थे, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने एमसीजी में न्यूजीलैंड को हराकर अपना पांचवां खिताब जीता था। मेजबान भारत ने टूर्नामेंट में अब तक सभी 10 मैच जीते हैं और उनका लक्ष्य 2011 की जीत के बाद अपना तीसरा वनडे विश्व कप खिताब और घरेलू धरती पर दूसरा खिताब हासिल करना है। इस जीत के साथ रोहित एंड कंपनी विश्व कप न जीतने के अपने 10 साल के सूखे को खत्म करना चाहेगी। ऑस्ट्रेलिया, जो लगातार आठ मैचों से अजेय चल रहा है। उसकी नजर छठे विश्व कप खिताब पर है।

टॉस फैक्टर आएगा काम

अहमदाबाद में रन चेज आसान

अहमदाबाद।

विश्व कप 2023 एक बार फिर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में लौट आया है। 5 अक्टूबर को टूर्नामेंट का आगाज यहीं हुआ था और अब समापन भी दो बार के विश्व कप विजेता भारत और पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के बीच खिताबी मुकाबले के साथ यहीं होगा।टूर्नामेंट का मेजबान भारत शानदार फॉर्म में है। भारत ने अब तक टूर्नामेंट में अपने सभी मैच जीते हैं, जिसमें 8 अक्टूबर को चेन्नई में टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में ऑस्ट्रेलिया पर छह विकेट की जीत भी शामिल है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल करने से पहले दो हार के साथ शुरुआत की लेकिन लगातार आठ मैच जीतकर फाइनल में पहुंची है। इस वेन्यू पर वनडे मैचों में भारत का जीत प्रतिशत 58 है। जबकि, ऑस्ट्रेलिया के लिए यह 67 प्रतिशत है। पिछली बार जब भारत और ऑस्ट्रेलिया वनडे विश्व कप फाइनल में भिड़े थे, तो यह टूर्नामेंट के 2003 संस्करण में दक्षिण अफ्रीका के वांडरर्स, जोहान्सबर्ग में हुआ था, जहां ऑस्ट्रेलिया ने 125 रनों से जीत हासिल की थी।आखिरी बार भारत और ऑस्ट्रेलिया वनडे विश्व कप के नॉकआउट मैच में अहमदाबाद में 2011 में भिड़े थे, जहां जीत भारत की हुई थी।क्रिकेट-21.कॉम द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार कप्तानों ने इस वेन्यू पर विश्व कप के चार मैचों में से तीन में पहले गेंदबाजी करना पसंद किया है और उनका यह फैसला सही साबित हुआ। यहां 2023 विश्व कप के चार मैचों में तेज गेंदबाजों ने 35 विकेट लिए हैं। जबकि स्पिनरों ने 22 विकेट लिए हैं। तेज गेंदबाजों का गेंदबाजी स्ट्राइक रेट भी 32.7 से बेहतर है। जबकि, स्पिनरों का स्ट्राइक रेट 44.8 है। किफायती होने की बात करें तो स्पिनरों का इकॉनमी रेट 4.9 है, जबकि तेज गेंदबाजों का इकॉनोमी रेट 6 है।विश्व कप फाइनल तक पहुंचने की अपनी यात्रा में भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही सभी विभागों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। अब, दोनों टीमों के लिए समय आ गया है कि अहमदाबाद के खचाखच भरे स्टेडियम में विश्व कप चैंपियन का ताज अपने नाम करने की हर मुमकिन कोशिश करें।

संक्षिप्त समाचार

अहमदाबाद पहुंचते ही स्टेडियम पहुंचे कमिंस, पिच की फोटो खींचते आए नजर

अहमदाबाद। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को नरेंद्र मोदी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में भारत के खिलाफ विश्व कप फाइनल मैच के लिए इस्तेमाल की जाने वाली अहमदाबाद पिच की रविवार को तस्वीरें लेते देखा गया। अब ये फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। पिच की फोटो लेते हुए पैट कमिंस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं। यह दावा किया जा रहा है कि अगर मैच के दिन पिच में छेड़छाड़ होती है तो ऑस्ट्रेलियाई कप्तान इसे सबूत के तौर पर पेश करेंगे। इससे पहले, प्रेस कॉन्फ्रेंस में कमिंस ने विश्व कप फाइनल से पहले अहमदाबाद के विकेट पर बयान दिया था। कमिंस ने कहा, हम हर वार के लिए तैयार है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारी जो योजनाएं हैं, वो सफल रहे।पिच को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब बीसीसीआई पर मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के सेमीफाइनल के लिए पिच के चयन में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया। पिच सात से पिच छह पर स्विच करने का मतलब है कि भारत का सेमीफाइनल उस स्ट्रिप पर होगा जिसका उपयोग पिछले दो मैचों इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका और भारत बनाम श्रीलंका के लिए किया गया था। 2003 के प्रतिष्ठित आयोजन की हार का बदला लेने के लिए भारत रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में विश्व कप फाइनल में दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

20 साल पुराना हिसाब बराबर करने का मौका रोहित ब्रिगेड के पास

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को ऑस्ट्रेलिया से 20 साल पुराना हिसाब बराबर कर सकती है। कंगारुओं ने साल 2003 के विश्व कप फाइनल में भारत को 125 रन से हराकर चैंपियन बनने से रोक दिया था। लेकिन इस बार मेजबान भारत के पास कंगारुओं से बदला लेने का सुनहरा मौका है। टीम इंडिया वर्तमान में धमाकेदार प्रदर्शन कर रही है। रोहित ब्रिगेड लगातार 10 मैच जीतकर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की ओर अग्रसर है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारतीय टीम 5 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को कैसे मात दे सकती है? दूसरी ओर, मौजूदा विश्व कप में सर्वाधिक रन और सर्वाधिक विकेट झटकने के मामले में भारतीय खिलाड़ी टॉप पर हैं। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 10 मैचों में 711 रन बनाकर टॉप पर बने हुए हैं, वहीं रोहित शर्मा 550 रन के साथ टॉप 5 में शामिल हैं। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी का कोई जवाब नहीं है। शमी 6 मैचों में 23 विकेट लेकर शीर्ष पर विराजमान हैं। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में भारत का रिकॉर्ड शानदार है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम (जो पहले मोटेरा स्टेडियम के नाम से जाना जाता था) में रेनोवेशन होने के बाद से 4 मैच जीते हैं जिसमें भारत की पाकिस्तान पर 7 विकेट से बड़ी जीत भी शामिल हैं। टीम इंडिया ने इसी विश्व कप में पाकिस्तान को धोया था। बेशक ऑस्ट्रेलियाई टीम ओवरऑल वनडे में भारत पर राज करती हो बावजूद इसके टीम इंडिया ने उसे हाल में यानी वर्ल्ड कप से पहले अपने घर में 3 मैचों की सीरीज में पटखनी दी थी। इसके अलावा भारत ने मौजूदा विश्व कप के लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया को पराजित किया था। भारत ने इस विश्व कप के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को 199 रन पर ढेर कर दिया था। इसके बाद टीम इंडिया ने शुरुआती कुछ विकेट गंवाने के बाद केएल राहुल और विराट कोहली की शानदार पारी के दम पर 6 विकेट से जीत दर्ज की थी।

'वे हमारे सामने जो भी विकेट रखेंगे हम उसके लिए तैयार हैं': कमिंस

अहमदाबाद, आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप फाइनल की पिच पहले से ही शहर में चर्चा का विषय बन गई है और दोनों टीमें इस बात पर कड़ी नजर रख रही हैं कि यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम का विकेट कैसा होगा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने संकेत दिया कि अंतिम मुकाबले के लिए इस्तेमाल की गयी विकेट को रखा जा सकता है। हालाँकि, उन्होंने यह भी कहा कि पिच टीमों के लिए समान होगी, और भारतीय परिस्थितियों में खेलने के बाद, ऑस्ट्रेलियाई टीम लड़ाई के लिए तैयार है।कमिंस ने यहां प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,मैं एक अच्छा पिच रीडर नहीं हूं, लेकिन यह काफी मजबूत दिख रहा था। उन्होंने इसे केवल पानी दिया है, इसलिए हां, इसे 24 घंटे और दें और देखें, लेकिन यह काफी अच्छा विकेट लग रहा है। हां, मुझे लगता है पाकिस्तान ने वहां किसी को खेला है। अहमदाबाद के विकेट के महत्व पर बोलते हुए, कमिंस ने कहा, हां, मेरा मतलब है, यह कहना मुश्किल है। यह स्पष्ट रूप से दोनों टीमों के लिए समान है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अपने देश में अपने विकेट पर खेलने के कुछ फायदे हैं, जैसे कि आपके पास विकेट हैं। हम पूरी जिंदगी खेलते रहे हैं। लेकिन हमने यहां काफी क्रिकेट खेला है। इसलिए, हां, हम इंतजार करेंगे और देखेंगे।मुझे लगता है, सभी स्थानों में, शायद यह स्थान - टॉस उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना, मान लीजिए, मुंबई वानखेड़े स्टेडियम या अन्य स्थानों पर। इसलिए, वे हम पर जो कुछ भी फेंकेंगे उसके लिए हम तैयार रहेंगे।

शमी और गिल दोनों ही ऑस्ट्रेलिया को परास्त करने का रखते हैं दम

नई दिल्ली । भारतीय टीम की जीत को अपनी आंखों से देखने वाले कह रहें हैं कि भारत के दो खिलाड़ी शमी और गिल ऑस्ट्रेलिया को परास्त करने का दम रखते हैं। बाकी टीम तो मजबूत है ही, इसलिए वर्ल्ड कप की ट्रॉफी भारत के हिस्से में आने वाली है। गौरतलब है कि वर्ल्ड कप के पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल में एंट्री कर ली है। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है कि कौन सी टीम इस साल की चैंपियन बनने वाली है। लेकिन कहीं ना कहीं टीम इंडिया का पलड़ा यहां भारी है। जानकार बता रहे हैं कि मोहम्मद शमी और शुभमन गिल इस मुकाबले में अच्छा परफॉर्म कर सकते हैं। क्यों कि नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अक्सर इन दो प्लेयर्स का जलवा देखने को मिलता है।बता दें कि गुजरात टाइटंस के 2 खिलाड़ी इस साल भारत के स्क्वॉड का हिस्सा है। भले ही हार्दिक पंड्या टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं इसलिए लिस्ट में शामिल नहीं हैं। गुजरात टाइटंस की टीम का होम ग्राउंड अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम है और भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का फाइनल मैच भी यही खेला जाएगा। ऐसे में मोहम्मद शमी और शुभमन गिल इस मैदान में शानदार परफॉर्म कर सकते हैं। वह इस विश्व कप में भी लय में दिखे हैं। साल 2023 के आईपीएल की बात करें तो इस साल शमी ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 8 मैचों में 17 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनकी इकॉनमी 7 के आस पास की रही है। वहीं विश्व कप में भी अब तक उनके नाम सबसे ज्यादा विकेट हैं। इसी तरह शुभमन गिल ने भी फॉर्म में वापसी कर ली है। आईपीएल 2023 में गिल ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कुल 7 मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 404 रन बनाए थे। औसत करीब 77 का रहा है।

डीएफसी ने आइजोल को 5-1 से रौंदा, अंक तालिका में लगाई लंबी छलांग

चंडीगढ़।

आईलीग सीजन 2023-24 में दिल्ली फुटबॉल क्लब(डीएफसी) ने शानदार जीत दर्ज की और आइजोल एफसी को उन्हीं के घर में 5-0 से हराया। मैच में टीम ने कौशल और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण पेश किया। आइजोल की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों पर काबू पाते हुए और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए टीम डीएफसी ने मैच को एकतरफा अंदाज में अपने नाम किया। ओपनिंग विसल पर डीएफसी ने उत्साहपूर्ण शुरुआत के साथ खेल की दिशा तय कर दी। गौरव रावत ने आक्रमण करते हुए 14वें मिनट में टीम को पहली सफलता दिलाई। इस गोल ने फैंस को जश्न मनाने का मौका दे दिया। पहले आक्रामक गोल से मेजबान टीम उबरी ही नहीं थी कि 23वें मिनट में गौरव रावत ने दूसरा गोल दाग दिया। आईजोल की टीम कमबैक के लिए जानी जाती है, लेकिन इस बार डीएफसी के अटैक के सामने वे पूरी तरह से बैकफुट पर रहे। हाफ टाइम तक डीएफसी ने 2-0 की बढ़त कायम रखी। सेकंड हाफ में भी टीम ने कोई कसर नहीं छोड़ी। डीएफसी के प्लेयर लगातार अटैक कर रहे थे और 61वें मिनट में अरोल्डिन्हो ने गोल दागकर टीम की लीड में इजाफा कर दिया। डीएफसी की टीम 3-1 से आगे थी। आइजोल का डिफेंस बैकफुट पर था और डीएफसी के प्लेयर्स लगातार गोल करने के प्रयास में लगे हुए थे। इसी बीच 76वें मिनट में फिर से टीम को कामयाबी मिली। सर्जियो बारबोज़ा ने गोल दागकर स्कोर को 4-1 कर दिया। फैंस के लिए डीएफसी की जीत तय थी और वे इसे अभी तक का बेस्ट प्रदर्शन मान रहे थे। सिटी टीम के लिए खेल रहे मिस्र के डिफेंडर अलाएल्डिन नासर ने भी खाता खोला और 5-1 स्कोर के साथ टीम को जीत दिला दी। नासर के गोल ने टीम के 5-स्टार प्रदर्शन को सील कर दिया और मेजबान टीम को हार झेलनी पड़ी। यह मैच दिल्ली एफसी की अटूट प्रतिबद्धता और दृढ़ता का प्रमाण था। इस उल्लेखनीय जीत के साथ टीम डीएफसी ने आईलीग में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। डीएफसी अपने आगामी मैचों की तैयारी में धीमे होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है और फैंस आगे भी उनसे ऐसे ही आक्रामक खेल की उम्मीद कर रहे हैं।

अहमदाबाद को किंग कोहली की एक और जादुई पारी का इंतजार

अहमदाबाद।

भारत ने बुधवार को न्यूजीलैंड को हराकर आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के फाइनल में प्रवेश किया। इसी मैच में विराट कोहली ने एकदिवसीय करियर का अपना 50वां शतक जड़कर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के सर्वाधिक वनडे शतकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। कोहली ने अपना पहला वनडे शतक 2009 में श्रीलंका के खिलाफ कोलकाता में बनाया था। उस समय बहुतों ने सोचा भी नहीं था कि वह इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेलेंगे। क्रिकेट पंडितों को भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि कोहली जैसा कोई व्यक्ति आधुनिक क्रिकेट में तेंदुलकर से आगे निकल सकता है। कोहली 2012 आते-आते भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप का अभिन्न और महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके थे, लेकिन मास्टर ब्लास्टर के रिकॉर्ड को पार करना अभी भी एक कठिन काम था, यह देखते हुए कि खिलाड़ियों के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना कितना मुश्किल है। हालाँकि, तेंदुलकर को पता था कि अगर कोई उनके रिकॉर्ड के करीब पहुंच सकता है तो वह कोहली या रोहित शर्मा होंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने 11 साल पहले भविष्यवाणी की थी कि कोहली भविष्य में उनका रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। और जब बुधवार को कोहली ने उनका रिकॉर्ड तोड़ा, तो वह वानखेड़े में तेंदुलकर को सम्मान देने के लिए झुक गए, जहां मास्टर ब्लास्टर ने अपने शुरुआती वर्षों के दौरान क्रिकेट खेला था। कोहली ने इस विश्वकप में तेंदुलकर का एक और रिकॉर्ड तोड़ा है। वह अब तक 711 रन के साथ वनडे विश्व कप के एक संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने रिकॉर्ड तोड़े नहीं बल्कि इतिहास फिर से लिखा क्योंकि दोनों रिकॉर्ड एक भारतीय खिलाड़ी के ही नाम थे। इस विराट कारनामे के बाद तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें इससे ज्यादा खुशी नहीं हो सकती कि एक भारतीय खिलाड़ी ने उनका रिकॉर्ड तोड़ा, और वह भी सबसे बड़े मंच पर। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि वह युवा लड़का विराट खिलाड़ी बन गया है। मैं इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकता कि एक भारतीय ने मेरा रिकॉर्ड तोड़ा। और सबसे बड़े मंच पर - विश्व कप सेमीफाइनल में - और मेरा घरेलू मैदान सोने पर सुहागा है। वर्ष 2008 में पदार्पण करने से लेकर 2022 में कप्तानी से हटाए जाने तक कोहली के अंतर्राष्ट्रीय करियर में कई चुनौतियां आईं। फिर भी, प्रत्येक झटके के बाद वह पहले से कहीं अधिक मजबूत होकर उभरे, और कई मौकों पर भारत को तब जीत दिलाई जब परिस्थितियां मेन इन ब्लू के खिलाफ थीं। चाहे वह पाकिस्तान के खिलाफ 2022 टी20 विश्व कप में उनकी आक्रामक पारी हो या चल रहे शोपीस इवेंट के लीग मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी मैच बचाने वाली 104 गेंदों में 95 रन की पारी - कोहली ने टीम को तब आगे बढ़ाया है जब इसकी बहुत जरूरत थी।लक्ष्य का पीछा करने की कला के लिए जाने जाने वाले कोहली ने बाद में बल्लेबाजी करते हुए 27 शतक बनाए हैं।

दो दशक पुराना ओसामा बिन लादेन का खत बना अमेरिका के लिए मुसीबत

-सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल होते ही मची खलबली, बताया 9/11 हमले का कारण

वॉशिंगटन। दो दशक बाद ओसामा बिन लादेन का एक खत सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इससे अमेरिका की नींद उड़ गई है। जानकारी के अनुसार आतंकी संगठन अल कायदा के पूर्व प्रमुख ओसामा बिन लादेन का यह खत टिकटॉक पर वायरल हो रहा है, जिसकी चर्चा अमेरिका तक पहुंच चुकी है।

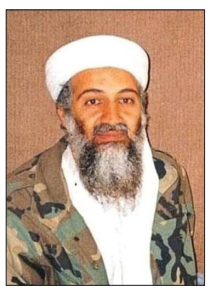

ओसामा के इस खत को कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया और इसे एक्स पर फिर से साझा किया। इस पत्र में बिन लादेन ने बताया था कि उसने 9/11 हमले को क्यों अंजाम दिया और साथ ही उसने अमेरिका के खिलाफ जेहाद छेड़ने का ऐलान किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लादेन के 2002 के 'लेटर टू अमेरिका' के बाद हमास के साथ मौजूदा संघर्ष में इजरायल को अमेरिकी समर्थन के बारे में बहस छिड़ने के बाद टिकटॉक ने अपनी सर्च से हटा दिया है। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा कि अल कायदा फाउंडर का दस्तावेज मिडिल ईस्ट में संघर्षों में अमेरिका की भागीदारी के बारे में एक वैकल्पिक दृष्टिकोण देता है, जिसकी व्हाइट हाउस ने कड़ी निंदा की है। यह मामला तब सुर्खियों में आया जब यूजर्स ने एक खत की प्रतिलिपि का लिंक साझा किया। यह खत 11 सितंबर, 2001 के हमलों के एक साल बाद लिखा गया था। इस हमले में 3,000 से अधिक लोग मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खत की भाषा यहूदी विरोधी है। पत्र में, बिन लादेन ने अमेरिकी लोगों से कुछ सवालों के जवाब मांगे, जिनमें हम आपसे क्यों लड़ रहे हैं, और आपका विरोध कर रहे हैं? और हम आपको किस लिए बुला रहे हैं, और हम आपसे क्या चाहते हैं? हालांकि इसने बिन लादेन के खत की वैधता और नैतिकता के बारे में सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। कुछ लोगों ने सहानुभूति भी व्यक्त की, जबकि अन्य ने इसकी निंदा की या इसका मजाक उड़ाया। वायरल खत पर चर्चा करने वाले लोगों ने कहा कि इससे उन्हें इराक और अफगानिस्तान में अमेरिकी युद्धों के बारे में अपनी मान्यताओं का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि वे 9/11 के हमले के लिए बिन लादेन की साजिश की प्रशंसा या बचाव नहीं कर रहे हैं। टिकटॉक के आलोचकों ने तर्क दिया कि यह सबूत है कि चीनी तकनीकी दिग्गज बाइटडांस के स्वामित्व वाला ऐप गुप्त रूप से अमेरिकी युवाओं के बीच प्रोपेगेंडा को बढ़ावा दे रहा था। बिन लादेन के पत्र में इजरायल के लिए अमेरिकी समर्थन की भी आलोचना की गई और अमेरिका पर फिलिस्तीनी लोगों के उत्पीड़न में सहायता करने का आरोप लगाया गया।

बेशकीमती पेंटिंग को फेंकने जा रही थी महिला, कीमत पता चली तो महिला के उड़े होश!

पेरिस । एक महिला अपने ही घर में मौजूद खज़ाने को पहचान नहीं पाई और इसे फेंकने जा रही थी। महिला अपने घर की रसोई में सालों से इस पेंटिंग को टंगा हुआ देख रही थी। उसने हमेशा इसे एक मामूली पेंटिंग के तौर पर ही देखा लेकिन उसे नहीं पता था कि वाकई ये किसी खज़ाने से कम नहीं है। साल 2019 में साफ-सफाई का काम करने के दौरान उसने इसे कूड़े में फेंकने का भी मन बना लिया था, तभी उसकी किस्मत चमक गई। जिस महिला के घर पेंटिंग मिली, उसकी उम्र 90 साल से ज्यादा है। उसे 4 साल पहले ये पेंटिंग मिली थी, जिसकी कीमत नीलामी के दौरान 25 मिलियन डॉलर यानि 208 करोड़ रुपये लगी है। इसे चिली के अरबपति अलवारो सैह बेंडेक और उनकी पत्नी एना गुजमैन अह्लफेल्ट ने अपने प्राइवेट कलेक्शन के लिए खरीदा था। हालांकि फ्रांस की सरकार ने पेंटिंग को जब निर्यात लाइसेंस देने से इनकार कर दिया तो परेशानी खड़ी हो गई। अब म्यूज़ियम को पेंटिंग अपने पास रखने के लिए ज़रूरी फंड जमा करने के लिए 30 महीने का वक्त दिया गया है। म्यूज़ियम इस पेंटिंग के लिए सरकार को कितना फंड दे रही है, इसके बारे में जानकारी नहीं है। इसके पेंटर का नाम सिमाबू है और उनकी एक और पेंटिंग मिस्टा म्यूज़ियम में मौजूद है । फिलहाल इसकी मरम्मत का काम हो रहा है। 208 करोड़ में नीलाम होने वाली पेंटिंग क्रिस्ट मॉक्ड को साल 2025 में स्प्रिंग एग्ज़ीबिशन में पेश किया जाएगा। मालूम हो कि कई बार हमारे घर में ही कुछ ऐसी चीज़ें होती हैं, जिनके बारे में हमें जानकारी नहीं होती है। हम उन्हें मामूली समझने की भूल कर देते हैं लेकिन वो बेशकीमती होती हैं।

टोरंटो के इतिहास की सबसे बड़ी ड्रग खेप बरामद, 7 गिरफ्तार

टोरंटो । कनाडा की टोरंटो पुलिस ने इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी नशीली दवाओं की खेप बरामद की है। टोरंटो पुलिस का कहना है कि जीटीए में सक्रिय नशीली दवाओं की तस्करी नेटवर्क की जांच के परिणामस्वरूप 7 गिरफ्तारियां हुई हैं। मामले में कई पंजाबी भी फंसने की आशंका है। पुलिस ने कहा कि प्रोजेक्ट फिनिटो के तहत 3.5 महीने की जांच के दौरान 551 किलोग्राम कोकीन और 441 किलोग्राम क्रिस्टल मेथमफेटामाइन जब्त हुआ है। टोरंटो पुलिस ने कहा कि दवाओं की अनुमानित सड़क कीमत 90 मिलियन डॉलर है। जांच के दौरान जब्त की गई अन्य वस्तुओं में एक बन्दूक, एक वाहन और कनाडाई मुद्रा में लगभग 95,000 शामिल हैं। यह दवा मुख्य रूप से अमेरिका से कनाडा में आई है। उन्होंने कहा कि मामले के संबंध में गिरफ्तार किए गए सभी संदिग्ध जीटीए के निवासी हैं और कथित तौर पर मादक पदार्थों की तस्करी नेटवर्क में काम कर रहे हैं। इस मामले के संबंध में अजाक्स के दो लोगों, 20 वर्षीय कैमरून लॉन्गमोर और 25 वर्षीय जुबायुल हक पर आरोप लगाया गया है। लॉन्गमोर को तस्करी के दो मामलों का सामना करना पड़ सकता है। हॉक पर तस्करी के उद्देश्य से 5,000 डॉलर से अधिक की अपराध आय को कब्जे में लेने का आरोप लगाया गया है। उस पर अवैध रूप से आग्नेयास्त्र रखने, भरी हुई प्रतिबंधित या प्रतिबंधित बंदूक रखने का एक मामला और मोटर वाहन में अवैध हथियार रखने का एक मामला दर्ज किया गया है। एटोबिकोक निवासी 37 वर्षीय ब्रायन शेरिट और 30 वर्षीय अबुबकर मुहम्मद पर दुष्कर्म के इरादे और साजिश के साथ तस्करी करने का आरोप लगाया गया है। मुहम्मद पर 5,000 डॉलर से अधिक की अपराध आय रखने का भी आरोप है। मिसिसॉगा के 25 वर्षीय तेनजिन पाल्डेन पर तस्करी और साजिश रचने और अभियोग योग्य अपराध करने के इरादे का आरोप लगाया गया है। मामले में टोरंटो के दो लोगों, बशीर हसन आब्दी (34) और लूचो लोडर (43) को गिरफ्तार किया गया था।

लाहौर की वायु गुणवत्ता दुनिया में सबसे खराब रही

लाहौर । भारत ही नहीं बल्कि पाकिस्तान की हवा भी बेहद जहरीली हो गई है। दिल्ली हो या लाहौर, यहां का प्रदूषण बेहद समान है। रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार (16 नवंबर) को पूरे दिन लाहौर अस्वास्थ्यकर वायु गुणवत्ता स्तर के साथ वैश्विक प्रदूषण रैंकिंग में टॉप पर रहा। पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा शहर स्मॉग संकट से जूझ रहा है। लाखों लोगों के स्वास्थ्य और आजीविका इससे प्रभावित हो सकती है। स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी के अनुसार, लाहौर की वायु गुणवत्ता दुनिया में सबसे खराब रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक 470 पर रहा, इसके बाद दिल्ली में 302 और कराची में 204 पर पहुंचा। अखबार के अनुसार, वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक प्रदूषण और फसल जलाने के कारण होने वाला धुआं खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। सबसे हानिकारक कण पीएम 2.5 की सांद्रता डब्ल्यूएचओ की वार्षिक वायु गुणवत्ता दिशानिर्देश मूल्य से 15 गुना से अधिक है। धुंध के कारण शहर में दृश्यता कम हुई और उड़ान संचालन बाधित हो गया है। लाहौर के कई निवासियों ने जहरीली हवा के कारण सांस समस्याओं, आंखों में संक्रमण और त्वचा रोगों की शिकायत की है। कुछ लोगों ने धुंध से बचने के लिए शहर भी छोड़ दिया है।

फिनलैंड ने रूसी सीमा पर 4 क्रॉसिंग प्वॉइंट बंद किए

हेलसिंकी । फिनलैंड सरकार ने शरण चाहने वालों की वृद्धि को रोकने के प्रयास में रूस के साथ लगाने वाली सीमा पर चार क्रॉसिंग प?वॉइंट को बंद करने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, फिनिश बॉर्डर गार्ड के अनुसार, इस सप्ताह लगभग 300 शरण चाहने वाले देश में पहुंचे। सिर्फ शुक्रवार को 100 आगमन हुए। हेलसिंकी द्वारा मॉस्को पर नॉर्डिक राष्ट्र के नाटो में शामिल होने के प्रतिशोध में प्रवासियों को क्रॉसिंग पर भेजने का आरोप लगाने के बाद दक्षिण-पूर्व फिनलैंड में वलीमा, नुइजामा, इमात्रा और नीराला सीमा चौकियों को बंद कर दिया गया।

केन्या के मोम्बासा के किसौनी जिले में भारी बारिश के बाद लोग सड़क पर बाढ़ के पानी से होकर गुजरता हुए।

संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की डिलीवरी रोकी

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने कहा कि ईंधन की कमी के कारण एन्क्लेव में इंटरनेट और टेलीफोन सेवाएं ध्वस्त होने के बाद गाजा में भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की डिलीवरी रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र ने भी इजराइल और हमास के बीच बढ़ते युद्ध के बीच व्यापक भुखमरी के बढ़ते खतरे की चेतावनी दी है। इस बीच, इजराइल संयुक्त राष्ट्र और दूरसंचार प्रणालियों के लिए ईंधन के दो टैंकर ट्रकों की अनुमति देने पर सहमत हुआ, हालांकि, कहा जाता है कि यह राशि गाजा में नागरिकों के जीवन रक्षक कार्यों के लिए आवश्यक मात्रा से आधी होगी। फिलिस्तीनी दूरसंचार कंपनी पालटेल ने कहा कि जनरेटर को फिर से शुरू करने के लिए ईंधन मिलने के बाद सेवाएं आंशिक रूप से बहाल कर दी गईं। वहीं इजरायली सेना ने सबसे बड़े अल शिफा अस्पताल पर कब्जा कर दावा किया है कि उस स्थान पर हमास का प्रमुख कमांड सेंटर मौजूद है, इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें भूमिगत बुनियादी ढांचे और बंधकों के बारे में जानकारी मिली है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने कहा कि खाद्य आपूर्ति की कमी के कारण नागरिकों को तत्काल भुखमरी की संभावना का सामना करना पड़ा। डब्ल्यूएएफए ने कहा कि हाल ही में दक्षिण गाजा के खान यूनिस शहर में इजरायली सेना के हवाई हमले में लगभग 26 फिलिस्तीनी मारे गए। मानवीय विराम के लिए नए सिरे से आह्वान कर संयुक्त राष्ट्र के मानवतावादी प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने कहा, आप जो चाहें कहें, लेकिन मानवीय दृष्टिकोण से आवश्यकता सरल है।

पुतिन के एक दर्जन से अधिक विरोधियों की मौत, बेड पर मिली पूर्व जनरल और उनकी पत्नी की लाश

मॉस्को (एजेंसी)। रुस के राष्ट्रपतित ब्लामिर पुतिन के विरोधियों की एक-एक कर रहस्यमय तरीके से मौत हो रही है। अब तक एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। देखने में आ रहा है कि यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध के बीच पुतिन के फैसलों को लेकर आए दिन आलोचना हो रही है। हालांकि एक दिलचस्प बात यह है कि पुतिन का जिसने भी विरोध किया उनमें से कई लोगों की रहस्यमयी तरीके से मौत हो गई। इसी कड़ी में एक नया नाम जुड़ गया है पूर्व रूसी जनरल व्लादिमीर स्विरिडोव का, जिनकी हाल ही में उनकी पत्नी के साथ बेड पर लाश मिली है। एयर फोर्स की ट्रेनिंग को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की आलोचना करने वाले पूर्व रूसी जनरल व्लादिमीर स्विरिडोव संदिग्ध अवस्था में मृत पाए गए हैं।

अमेरिका से आ रहीं खबरों के मुताबिक 68 वर्षीय स्विरिडोव का शव बुधवार को एक अज्ञात महिला के साथ मिला था। हालांकि बाद में बताया गया मृतक महिला स्विरिडोव की पत्नी थी।पति-पत्नी की लाश उनके एंडजिएव्स्की गांव स्थित घर में बिस्तर पर एक साथ मिली। स्विरिडोव ने रूस की छठी वायु सेना और वायु रक्षा बल सेना की कमान संभाली थी। साल 2007 में स्विरिडोव ने एक इंटरव्यू में पुतिन की आलोचना करते हुए पायलटों की ट्रेनिंग को लेक चिंता जाहिर की थी, युद्ध की तैयारी के लिए हर साल 100 घंटों के मुकाबले में सेना की औसत उड़ान का समय 25 से 30 घंटे था। हालांकि स्विरिडोव की मौत में हिंसा का कोई सबूत नहीं मिला है। क्रेमलिन ने पूर्व

रूसी जनरल के निधन पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

इससे पहले ओडिशा में रूसी बिजनेसमैन पावेल एंतोव की होटल में लाश मिली थी। उन्होंने भी यूक्रेन हमले को लेकर पुतिन का विरोध किया था। हालांकि यही एक-दो नाम नहीं है। बल्कि पुतिन के विरोधियों के मरने की फेहरिस्त लंबी है। साल 2015 में रूस के नेम्तसोव की हत्या हो गई थी। वो पोस्ट-सोवियत के एक पॉलिटिकल स्टार माने जाते थे। वो डिप्टी पीएम तक बन गए थे। वहीं कुछ लोग उन्हें राष्ट्रपति के पद के लिए अच्छा उम्मीदवार मानने लगे थे। लेकिन पुतिन चुनाव जीत गए।

इसके बाद साल 2011 में उन्होंने चुनाव में हुए घोटाले को लेकर रैली निकाली. करीब 4 साल बाद यूक्रेन में रूस की सैन्य भागीदारी के खिलाफ एक मार्च में शामिल होने के कुछ घंटों बाद ही गोली मारकर हत्या कर दी गई। स्टैनिस्लाव मार्केलोव और अनास्तासिया बाबूरोवा की हत्या की दी गई। मार्केलोव एक मानवाधिकार वकील थे, जिन्होंने उन पत्रकारों का भी प्रतिनिधित्व किया, जिन्होंने पुतिन के खिलाफ लेख लिखा था। मार्केलोव की साल 2009 में अज्ञात बंदूकधारी ने हत्या कर दी। सर्गेई युशेनकोव की मास्को में उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। युशेनकोव सबूत एकत्रित कर रहे थे। क्योंकि उनका मानना था कि 1999 में एक अपार्टमेंट बम विस्फोट के पीछे पुतिन सरकार का हाथ था। सर्गेई मैग्निटस्की, एलेक्जेंडर, नतालिया एस्टेमिरोवा, अन्ना पोलितकोवस्काया, अलेक्जेंडर लिट्विनेंको, यूरी शेकोचिखिन और वैग्नर चीफ की भी हत्या हो चुकी है।

अरब देशों के साथ मिलकर गाजा में प्रशासन चला सकता है इस्राइल

- संयुक्त राष्ट्र में इस्राइली राजनयिक गिलाड एरदान ने संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों पर पदों के दुरुपयोग का लगाया आरोप

वाशिंगटन (एजेंसी)। हमास के खात्मे और ऑपरेशन पूरा होने के बाद इस्राइल अरब देशों के साथ

मिलकर गाजा के भविष्य पर बात करेगा। संयुक्त राष्ट्र में इस्राइली राजनयिक गिलाड एरदान ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि गाजा में मिलकर अरब देशों से इस संबंध में अभी इस्राइल ने बात शुरू नहीं की है लेकिन जल्द ही अरब देशों के साथ मिलकर गाजा में प्रशासन चलाना संभव होगा। गिलाड ने कहा मुझे विश्वास है कि कई अरब देश ये जानते हैं कि हमास जितना हमारा दुश्मन है, उतना ही वह कई नरमपंथी मुस्लिम देशों का भी दुश्मन है। गिलाड ने ये भी कहा कि इस्राइल गाजा में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय बलों की तैनाती को स्वीकार नहीं करेगा। गिलाड ने इस्राइल हमास युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र के बयान की तीखी आलोचना करते हुए गाजा के मौजूदा संकट का ठीकरा संयुक्त राष्ट्र पर फोड़ा। गिलाड ने कहा कि हमास द्वारा गाजा पट्टी को युद्ध की मशीन में बदलने में संयुक्त राष्ट्र की बड़ी भूमिका है। गिलाड ने कहा कि मौजूदा युद्ध को जीतने के बाद इस्राइल, संयुक्त राष्ट्र के साथ अपने संबंधों पर गंभीरता से विचार करेगा। गिलाड ने आरोप लगाया कि संयुक्त राष्ट्र के कुछ अधिकारियों ने अपने पदों का गलत दुरुपयोग किया । संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों की नाक के नीचे 16 साल तक हमास अपनी गतिविधियां चलाता रहा। अंतरराष्ट्रीय दबाव को लेकर गिलाड ने साफ किया कि जब तक इस्राइल हमास का खात्मा नहीं कर देता तब तक नहीं रुकेगा। गिलाड ने हमास के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका राष्ट्रपति के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

इजरायली सेना ने ढूंढ निकाला हमास के लड़ाकों का अहम ठिकाना

-अल शिफा अस्पताल के पास बनी सुरंग में मिला हथियारों का जखीरा

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल-हमास जंग के दौरान इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) को हमासा का मुख्य ठिकाना मिल गया है। आईडीएफ ने कहा है कि गाजा के अल शिफा अस्पताल परिसर में हमास के आर्तकियों की सुरंग का पता चला है। यहां पर जवानों को रान्तिसी अस्पताल में आतंकवादी की एक और सुरंग मिली है। अल-कुद्स अस्पताल में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद पाए गए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, इजरायली सेना ने कहा कि गाजा के तीन सबसे बड़े अस्पतालों में हमें हमास आर्तकियों के ठिकाने का पता चला है। शाल्डैग एसएफ यूनिट 7वीं ब्रिगेड ने अल शिफा अस्पताल के अंदर हमास के सुरंग निर्माण बुनियादी ढांचे को उजागर किया था। उन्होंने 7 अक्टूबर के नरसंहार के लिए तैयार किए गए एक फंसे हुए वाहन की भी खोज की, जिसमें बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद थे। इजरायली वायु सेना ने इसकी तस्वीर भी पोस्ट की है।

गौरतलब है कि अल-कुद्स अस्पताल में पाए गए हथियारों और गोला-बारूद की तस्वीरें भी शेयर हुई हैं। यह सब पिछले 24 घंटों में हुआ है। इस बीच, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी लेबनान में हिज़्बुल्लाह के कई और ठिकानों पर हमला किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने कहा कि ये हमले उत्तरी सीमा पर हुए हमलों के जवाब में किए गए थे। बिरानिट बेस और रोश हानिकरा के उत्तरी समुदाय के पास सीमा पर कई सेना चौकियों पर एंटी टैंक गाइडेड मिसाइलें दागी गईं। हालांकि इन हमलों में अब तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इजरायल रक्षा बल के लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कॉनरिकस ने वीडियो में कहा कि हम अल शिफा अस्पताल के एमआरआई सेंटर के अंदर हैं। इजरायली सैनिकों ने कुछ घंटे पहले यहां घुसपैठ की थी और हमने क्षेत्र को खाली कर दिया है, यह सुरक्षित है।

जिन हथियारों को एक्सपोर्ट करने वाला हैं इजराइल उनकी गाजा में टेस्टिंग कर रहा

-हर जंग के बाद इजराइली हथियारों की मांग बढ़ जाती

तेल अवीव (एजेंसी)। गाजा में इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध को 40 से ज्यादा दिन बीत चुके हैं। करीब 11 हजार फिलिस्तीनी मारे गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मारे गए लोगों में 4500 के करीब बच्चे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि इजरायल जिन हथियारों को एक्सपोर्ट करने वाला है, वह उनकी टेस्टिंग गाजा में कर रहा है। इसमें कई खतरनाक हथियार शामिल हैं। आयरन स्टिंग के नाम से जाने जाने वाले खतरनाक प्रेसीजन गाइडेड 120 एमएम मोर्टार बम का इस्तेमाल गाजा में तबाही मचाने के लिए खूब हो रहा है। इतना ही नहीं हाइफा के मैन्युफैक्चरर एलबिट सिस्टम ने अपनी वेबसाइट पर इसका प्रचार भी किया है। इजरायल की सेना के साथ कंपनी ने करार किया है।

इजरायली पीएम नेतन्याही की वॉर कैबिनेट का हिस्सा और रक्षामंत्री बेनी गैंट्ज ने कहा है कि आयरन स्टिंग का इस्तेमाल खुले इलाकों के साथ शहरों में हो सकता है। इससे मासूमों को छोड़कर आतंकी ठिकानों को तबाह किया जा सकता है। जानकारों का कहना है कि इजरायल जिन हथियारों का इस्तेमाल गाजा में तबाही मचाने के लिए कर रहा है, उन हथियारों को खरीदने वाले बहुत हैं। दुनिया के कई

देश इन सर्जिकल किलिंग मशीन को खरीदना चाहते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक 2014 की लड़ाई के दौरान गाजा में इजरायल ने ड्रोन मिसाइल का इस्तेमाल किया था। इसमें 3 एमएम टंग्सटन ट्यूब का इस्तेमाल होता था जो कि 20 मीटर के दायरे में विस्फोट करती थी। इस दायरे में आने वाले लोगों के मांस में इससे निकलने वाली कीलें घुस जाया करती थीं। 2014 के बाद इजरायली कंपनी द्वारा बनाए जाने वाली ड्रोन और रॉकेटी की मांग तेजी से बढ़ी। वहीं हेरोन टीपी एइटन ड्रोन इजरायल का सबसे बड़ा यूएवी था जो कि 2007 में लांच किया गया था। इस इजरायल की सरकारी कंपनी आईएआई बनाती थी। यह इजरायल की डिफेंस कंपनी द्वारा सबसे ज्यादा निर्यात होने वाला हथियार था। यह लगातार 40 घंटे तक उड़ान भर सकता है और चार मिसाइलें से जा सकता है।

2008-09 की गाजा वॉर के वक्त इसका सबसे पहले इस्तेमाल किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया कि इससे मासूमों की जान गई थी। ऑपरेशन कास्ट लीड के दौरान गाजा में 353 बच्चे मारे गए थे। ड्रोन से चली मिसाइल ने 116 लोगों की जान ली थी। इसके बाद हेरोन कैटिगरी के ड्रोन की मांग तेजी से बढ़ी। दो साल में कम से कम 100 ड्रोन निर्यात किए गए। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत इजरायल से सबसे ज्यादा हथियार खरीदता है। भारत ने 34 हेरोन ड्रोन भी खरीदे। इसके अलावा फ्रांस ने 24, ब्राजील ने 14, ऑस्ट्रेलिया ने 10 ड्रोन खरीदे। जानकारों का कहना है कि यह नहीं कहा जा सकता कि इजरायल अपने हथियारों को बेचने या फिर उनकी नुमाइश के लिए ही युद्ध लड़ता है, लेकिन इतना जरूर है कि युद्ध के बाद भी इजरायल हथियारों को एक्सपोर्ट करके फायदा कमाता है।

पाकिस्तान के 6 अस्पताल बंद होने के कगार पर, स्टॉफ की रोक दी सैलरी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान में अब अस्पतालों के बंद होने की नौबत आ गई है। मिली जानकारी के अनुसार इस्लामाबाद के 5 पब्लिक सेक्टर के अस्पताल और लाहौर के शेख जायद अस्पताल के बंद होने की आशंका है। इसका मुख्य कारण यह है कि वित्त प्रभाग ने इन अस्पतालों के सुचारू कामकाज के लिए संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 11 बिलियन पाकिस्तानी रुपया (पीकेआर) प्रदान करने की मांग को खारिज कर दिया। पाकिस्तान के मीडिया में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, अस्पताल के कई कर्मचारियों की सैलरी रोक दी गई है। इसके कारण पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की नर्सें एक हफ्ते से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। टेस्टिंग किट के स्टॉक खत्म होने के कारण इन अस्पतालों की लैब भी जल्द ही पूरी तरह से काम करना बंद कर देंगी। जानकारी के अनुसार, रेडियोलॉजी टेस्ट को भी बंद कर दिया जा रहा है क्योंकि यहां पर फिल्में उपलब्ध नहीं हैं। वहीं, मरीजों को दवाएं नहीं मिल रही है क्योंकि कंपनियों को टेंडर राशि का भुगतान नहीं किया गया है। इसके कारण जो अस्पताल और विभाग प्रभावित होंगे उनमें संघीय राजधानी के पांच अस्पताल पिम्स, पॉलीक्लिनिक, फेडरल जनरल हॉस्पिटल, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन, डिस्पेंसरी, बुनियादी स्वास्थ्य यूनिट, स्वास्थ्य मंत्रालय के सहायक विभाग और संस्थान शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार लाहौर का शेख जायद अस्पताल भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है क्योंकि यह संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वित्त पोषण से चलता है। वित्त प्रभाग ने स्वास्थ्य मंत्रालय को लिखित रूप में सूचित किया है कि, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की पूर्व शर्तों के अनुसार, धन केवल आपदा की स्थिति में ही जारी किया जा सकता है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पिछले महीने वित्त मंत्रालय से अस्पतालों, संगठनों और मंत्रालय के सहायक विभागों के सुचारू कामकाज के लिए 11.096 बिलियन पीकेआर का पूरक अनुदान जारी करने का अनुरोध किया था। लेकिन उसे मंजूर नहीं किया जा सका है।

क्यों आ रही ऐसी समस्या

सूत्रों के मुताबिक वित्त विभाग के इनकार से संघीय मंत्रालय द्वारा संचालित अस्पतालों में संकट पैदा हो सकता है और मरीजों को एक रुपये मूल्य की दवाएं भी नहीं मिल पाएंगी। अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि वर्तमान में दवाओं की भारी कमी

है। क्योंकि हमारे पास निविदाओं के लिए भुगतान करने और लंबित स्टॉक जारी करने के लिए पर्याप्त राशि नहीं है। इसके अलावा, प्रयोगशालाओं में परीक्षण किट, एक्स-रे फिल्मों और अन्य की भी भारी कमी है। सूत्र ने कहा कि स्थिति और भी खराब हो सकती है क्योंकि अस्पतालों में कई डॉक्टरों, नर्सों और अन्य कर्मचारियों को या तो वेतन नहीं मिल रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बढेगी व्हाट्सऐप की सिक्योरिटी और प्राइवेसी, व्हाट्सऐप लेकर आया नया फीचर

नई दिल्ली । मेटा कंपनी अपने व्हाट्सऐप की सिक्योरिटी और प्राइवेसी को बढ़ा रही है। व्हाट्सऐप एक 'प्राइवेसी चेकअप' फीचर लेकर आया है। यूजर्स के पास इस फीचर की मदद से कंट्रोल आ जाएगा कि कौन उनकी जानकारी को देख सकता है और कौन नहीं। मालूम हो कि यह फीचर एंड्रॉयड और आईओएस, दोनों के लिए उपलब्ध है। एक डेडीकेटेड प्राइवेसी चेकअप पेज के माध्यम से, व्हाट्सएप यूजर्स को यह चुनने की परमिशन देता है कि कौन उनसे कॉन्टैक्ट कर सकता है। इसके अलावा यूजर अपनी पर्सनल जानकारी के लिए ऑडिएंस को भी सिलेक्ट कर सकता है, दूसरों के लिए अपने मैसेजेस और मीडिया तक एक्सेस को भी लिमिटेड कर सकता है। व्हाट्सऐप यूजर्स सेटिंग में जाकर प्राइवेसी वाले ऑप्शन को क्लिक करें। जैसे ही इस फीचर पर क्लिक करेंगे, प्राइवेसी मेन्यू पर सबसे ऊपर 'स्टार्ट चेकअप' बटन के साथ एक पॉप अप बैनर दिखेगा। इसके बाद आपको मल्टिपल प्राइवेसी कंट्रोल ऑप्शन्स मिल जाएंगे। आप खुद से ही यह चुन सकते हैं कि आपसे कौन कॉन्टैक्ट कर सकता है। इस सेक्शन के तहत, यूजर्स यह तय कर सकते हैं कि उन्हें ग्रुप में कौन जोड़ सकता है, अन-नोन कॉल करने वालों को साइलेंट कर सकता है और उनकी ब्लॉक्ड कॉन्टैक्ट लिस्ट भी मैनेज कर सकता है। यूजर्स इस सेक्शन से डिसअपियरिंग मैसेजेस और व्हाट्सएप के लिए नोटिफिकेशन को कंट्रोल करने का ऑप्शन सेट कर सकते हैं। इस सेक्शन के जरिये यूजर्स अपने व्हाट्सऐप पर और ज्यादा प्रोटेक्शन ऐड कर सकते हैं। इस फीचर के जरिये आप फेसियल रिकग्निशन, फिंगरप्रिंट और पिन के साथ स्क्रीन लॉक सेट कर सकते हैं।आप अपनी पर्सनल जानकारी को कंट्रोल कर सकते हैं। यह ऑप्शन यूजर्स को यह चुनने का परमिशन देता है कि उनकी प्रोफाइल फोटो, लास्ट सीन और ऑनलाइन स्टेटस और रीड रिसीट कौन देख सकता है। प्राइवेसी चेकअप फीचर के तहत यूजर्स अपनी चैट में ज्यादा प्राइवेसी ऐड कर सकते हैं।

भाजपा छोड़ कांग्रेस आईं अभिनेत्री विजयशांति को मिला अहम पद

हैदराबाद । पूर्व सांसद और अभिनेत्री विजयशांति कांग्रेस में शामिल हो गई हैं। हाल ही में भाजपा से इस्तीफा देने वाली विजयशांति ने शुक्रवार को हैदराबाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ली। कांग्रेस ने विजयशांति के पार्टी में शामिल होते ही उन्हें प्रचार और योजना समिति का प्रमुख समन्वयक बनाया है।

क्रिकेट विश्व कप में भारत की जीत के लिये छठ मैया से प्रार्थना

बस्ती । 19 नवम्बर को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच है। भारत की इस मैच में जीत हो और वह विश्वकप अपने नाम करे, इसके लिए पूरे भारतवासी प्रार्थना कर रहे हैं। शनिवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के संयोजन में अमहट घाट पर छठ मैया का पूजा करके भारत की अजेय विजय की प्रार्थना की गई। छठ मैया से प्रार्थना के बाद अखिलेश सिंह ने कहा कि इससे पहले साल 2011 में भारत में विश्व कप अपने नाम किया था. उस समय भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी थे। जबकि, इस बार भारतीय टीम की बागडोर रोहित शर्मा के हाथ है, टीम के सभी खिलाड़ियों ने अब तब बेहतरीन प्रदर्शन किया है. बता दें, भारत इस विश्व कप में एक बार भी नहीं हारा है। हम सभी भारतीयों को पूरी उम्मीद है कि इस बार का विश्व कप भारत के ही नाम होगा। भारत की इस मैच में जीत हो इसके लिये छठ मैया की प्रार्थना करने वालों में युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ,जिला संत प्रमुख बाबा जयप्रकाश दास, भजन गायक अमरेश पाण्डेय अमृत, आशीष तिवारी ,अभिषेक सिंह ,उपेंद्र सिंह ,दीपक सिंह, प्रदीप कसौधन, अंकुर कुमार सहित संगठन की मातृशक्ति सुमन सिंह, रागिनी सिंह, अंकिता सिंह, रेनू मिश्रा, दिव्या सिंह, अंजनी सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में जनसमूह उपस्थित रहा।

भारत-पाकिस्तान सीमा के पास दो ड्रोन, हेरोइन बरामद

तरनतारन । पंजाब के तरनतारन, अमृतसर और फिरोजपुर जिलों में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास दो ड्रोन के साथ ही एक किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद हुई। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई कर सीमा सुरक्षा बल और पंजाब पुलिस के जवानों ने तरनतारन के कलश हवेलियां गांव के बाहरी इलाके में तलाशी अभियान चलाया। अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान एक खेत से चीन निर्मित क्वाडकॉप्टर (एक प्रकार का ड्रोन) बरामद हुआ। अधिकारी ने कहा कि अमृतसर में बीएसएफ के जवानों ने रतन खुर्द गांव के पास एक खेत से एक और टूटा हुआ ड्रोन और 550 ग्राम हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई अगले एक साल तक कोर्ट में पेश नहीं होगा, केंद्र ने लिया फैसला

अमृतसर । गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई अगले एक साल तक कोर्ट में पेश नहीं होगा। यह फैसला केन्द्र सरकार ने उसकी सुरक्षा के मद्देनजर लिया है। हालांकि लारेंस विश्नोई का मुद्दा शुरू से अहम रहा है। जब मूसेवाला हत्याकांड में पुलिस उसे पंजाब लेकर आई थी, तब उसके वकीलों ने उसकी सुरक्षा को लेकर अदालत में याचिका दायर की थी। इसके बाद कड़ी सुरक्षा व बुलेट प्रूफ गाड़ियों में उसे पंजाब लाया गया है। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मास्टर माइंड व कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई अब पंजाब समेत विभिन्न राज्यों में दर्ज केसों में फिजिकल रूप में पेश नहीं होगा। गुजरात की अहमदाबाद स्थित सेंट्रल जेल से वह ऑनलाइन या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी भुगतेगा। केंद्र सरकार ने उनकी सुरक्षा को देखते हुए उस पर सीआरपीसी की धारा 268 लगा दी है। यह बात उस समय सामने आई है जब नशा तस्करी से जुड़े एक केस में लॉरेंस को अमृतसर अदालत ने तलब किया था। उस दौरान गुजरात की जेल की तरफ से उसकी पेशी को लेकर यह जानकारी ईमेल के माध्यम से अदालत को भेजी गई है। अमृतसर की अदालत ने एनडीपीएस से जुड़े केस में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को पेश करने के लिए बठिंडा जेल में समन भेजे थे। इसके बाद बठिंडा जेल अथॉरिटी ने इस समन को ईमेल के माध्यम से अहमदाबाद जेल अथॉरिटी को भेजा था। इसके बाद 6 नवंबर को अहमदाबाद जेल से अमृतसर अदालत को जवाब भेजा गया। इसमें बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से इस मामले में सीआरपीसी 268 लगा दी है। ऐसे में अगले एक साल तक लॉरेंस बिश्नोई ऑनलाइन अपनी पेशी करेगा। निजी रूप में वह पेशी के लिए अदालत नहीं आएगा। यहां गौरतलब है कि तीन महीने पहले 23 अगस्त को लॉरेंस बिश्नोई को सेंट्रल जेल बठिंडा से गुजरात शिफ्ट किया गया था। इस दौरान उसे जहाज से गुजरात भेजा गया था। वहां पर उस पर नशा तस्करी से जुड़ा केस दर्ज है। असल में जब किसी मामले में राज्य या केंद्र सरकार दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 268 का प्रयोग करती है, तो उसकी तीन वजह हो सकती हैं। एक तो यह है कि ऐसा व्यक्ति जेल में बंद है, जिसने कोई जघन्य अपराध किया हुआ है। साधारण भाषा में कहें तो राज्य सरकार जेल में बंद ऐसे व्यक्ति को न्यायालय के समक्ष पेश होने पर रोक लगा सकती है जिसके कारण लोकशांति, लोक-व्यवस्था भंग होने की संभावना हो।

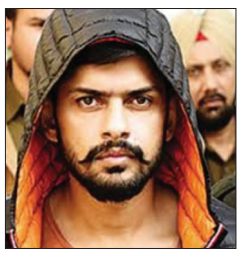

पुलिस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में नई जानकारियों से हमेशा अवगत रहना होगा: मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपराधियों के कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल 'डीप फेक' बनाने संबंधी समस्या पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि पुलिस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में नई जानकारियों से हमेशा अवगत रहना होगा।

मुर्मू ने यहां राष्ट्रपति भवन में उनसे मुलाकात करने आए 2022 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस बलों के सामने साइबर अपराध, मादक पदार्थ, वामपंथी उग्रवाद और आतंकवाद जैसी कई चुनौतियां हैं। राष्ट्रपति ने कहा, 'नई तकनीक और सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण परिस्थितियां तेजी से बदलती हैं। 'जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' का इस्तेमाल अपराधी करते हैं और 'डीप फेक' जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं।' उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में हमेशा नई जानकारियों से अवगत रहना होगा।

'डीप फेक' तकनीक शक्तिशाली कंप्यूटर और शिक्षा का उपयोग करके वीडियो, छवियों, ऑडियो में हेरफेर करने की एक विधि है। राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस प्रशासन और कानून व्यवस्था की मुख्य जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। मुर्मू के हवाले से राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, 'लेकिन, आईपीएस अधिकारी राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त पुलिसकर्मियों को नेतृत्व प्रदान करते हैं। इस प्रकार देश की पुलिस व्यवस्था को एक अखिल भारतीय सूत्र में पिरोने का कार्य भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी करते हैं।' राष्ट्रपति ने कहा कि आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए सुदृढ़ कानून-व्यवस्था आवश्यक शर्त है। उन्होंने कहा कि पुलिस बलों ने देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अमूल्य योगदान दिया है। मुर्मू ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक की प्रतिभा और क्षमता के विकास के लिए मौका प्रदान करना है। उन्होंने कहा, 'यह हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता है कि सभी नागरिक विकास यात्रा में भागीदार बनें।' उन्होंने कहा कि 'अमृत काल' में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में पुलिस अधिकारी भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

ज्ञानवापी परिसर का सर्वे पूरा,रिपोर्ट जमा करने के लिए मिला 10 और दिन का वक्त

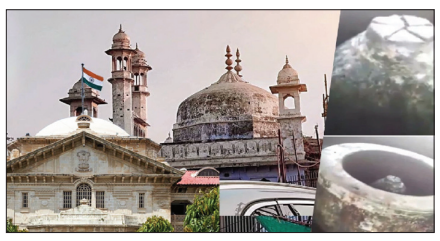

वाराणसी। वाराणसी जिला अदालत ने शनिवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए 10 और दिन का समय दिया। एएसआई को पहले रिपोर्ट सौंपने के लिए 17 नवंबर तक का समय दिया गया था लेकिन शुक्रवार को उसके वकील ने अदालत से 15 दिन और मांगे। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव के मुताबिक, तकनीकी रिपोर्ट नहीं आने के कारण एएसआई ने और समय मांगा है। मामले की सुनवाई करते हुए जिला न्यायाधीश एके विश्वेश ने एएसआई को 28 नवंबर तक अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा। 2 नवंबर को एएसआई ने अदालत को बताया कि उसने सर्वेक्षण पूरा कर लिया है, लेकिन सर्वेक्षण कार्य में उपयोग किए गए उपकरणों के विवरण के साथ रिपोर्ट संकलित करने में कुछ और समय लग सकता है। इसके बाद अदालत ने दस्तावेज़ जमा करने के लिए 17 नवंबर तक का अतिरिक्त समय दे दिया। 5 अक्टूबर को कोर्ट ने एएसआई को चार हफ्ते का और वक्त दिया और कहा कि सर्वे की अवधि इससे ज्यादा नहीं बढ़ाई जाएगी।

यूपी बनेगा एक्सप्रेसवेज राज्य, सीएम योगी ने दो और एक्सप्रेसवे बनने को मंजूरी दी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में एक्सप्रेसवेज निर्माण की स्थिति की समीक्षा कर प्रदेश में दो नए एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। विशेष बैठक में सीएम योगी ने फर्रूखाबाद को गंगा एक्सप्रेस वे से जोड़ने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं।

साथ ही, सीएम योगी ने आदेश दिया कि गंगा एक्सप्रेसवे, बलिया लिंक और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की कार्यवाही को पूरी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा के भीतर पूरा करा लिया जाए। इसके अलावा,बुंदेलखंड एक्सप्रेस की राइडिंग क्वालिटी को और बेहतर करने के लिए जारी अनुरक्षण कार्य को समय से पूरा करने के आदेश सीएम योगी ने दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को जोड़ने के एक लिंक एक्सप्रेस-वे की जरूरत है। इस एक परियोजना से सभी एक्सप्रेस-वे आपस मे जुड़ जाएंगे। सीएम योगी ने लगभग 60 किलोमीटर के इस लिंक एक्सप्रेस-वे के संबंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

वहीं मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सौर एक्सप्रेस-वे के रूप में विकसित करने की गति तेज करने के लिए कह दिया। इसी तरह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के उत्तरी स्लोप पर पौधारोपण और दक्षिणी स्लोप पर सौर ऊर्जा प्रकल्पों को विकसित करने के निर्देश दिए।

साथ ही, मुख्यमंत्री ने बताया कि चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के लिए बजट भी दिया जा चुका है। प्रारंभिक अध्ययन के अनुसार 04 लेन (06 लेन तक विस्तारणीय) चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे लगभग 14 किमी का होगा। सीएम योगी ने आदेश दिया कि इसके लिए विकासकर्ता का चयन यथाशीघ्र कर लिया जाए।

पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गंगा, आगरा-लखनऊ और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस के दोनों ओर औद्योगिक क्लस्टर के विकास की प्रक्रिया तेज करे। बता दें, गंगा एक्सप्रेस वे के किनारे 11, बुंदेलखंड में 06, आगरा-लखनऊ में 05, पूर्वांचल में 06 और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे में 02 औद्योगिक गलियारे विकसित करने की तैयारी की जा रही हैं।

बैठक में बताया गया कि मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाली गंगा एक्सप्रेसवे के लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। नवंबर 2022 से इसका कार्य प्रारंभ हो चुका है। यह एक्सप्रेसवे प्रत्येक दशा में दिसंबर 2024 तक आम जनता के लिए उपलब्ध कराने का लक्ष्य योगी सरकार द्वारा रखा गया है, ताकि प्रयागराज कुंभ 2025 में देश-दुनिया के श्रद्धालुगण गंगा एक्सप्रेसवे पर यात्रा का लाभ उठा सकें।

नीतीश कुमार बिहार में आपातकाल जैसे हालात बना रहे हैं: सुशील मोदी

-शिक्षकों को संघ या मंच बनाने से रोकना गलत

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बीपीएससी के शिक्षकों को संघ या मंच बनाने से रोकने की कार्रवाई कर नीतीश कुमार राज्य में आपातकाल-जैसी स्थिति बना रहे हैं।

सुशील मोदी ने बयान जारी कर कहा कि बीपीएससी के शिक्षक अभ्यर्थियों और नवनियुक्त शिक्षकों के लोकतंत्रिक अधिकार कुचले जा रहे हैं। कल अन्य कर्मचारियों पर यही सख्ती होगी और फिर विपक्ष की आवाज दबाई जाएगी। उन्होंने कहा कि बीपीएससी नवनियुक्त शिक्षक संघ गठित करने के आरोप में मधुबनी की शिक्षिका बबीता चौरसिया की नियुक्ति आनन-फानन में रद्द करना अतिपिछड़ा समाज का अपमान है। सरकार को यह आदेश वापस लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार ने यूट्यूबर पत्रकार मनीष कश्यप को फर्जी मामले में गिरफ्तार कर पहले ही अपना तानाशाही चेहरा दिखा दिया था। मीडिया पर भी सरकार विरोधी सामग्री न छापने का दबाव बढ़ता जा रहा है और अब इनके निशाने पर हैं युवा शिक्षक हैं। उन्होंने कहा कि जो सरकार बालू-शराब माफिया के आगे घुटने टेक चुकी है वह आयोग की शिक्षक भर्ती परीक्षा पर सवाल उठाने वाले करीब 6 युवा अभ्यर्थियों को नोटिस देकर उन्हें डराना चाहती है। मोदी ने चुनौती देते हुए कहा कि शिक्षक अभ्यर्थियों के नाम-फोटो सार्वजनिक करने वाली सरकार में यदि हिम्मत है तो वह जमुई में दारोगा की हत्या के आरोपियों के नाम भी फोटो के साथ सार्वजनिक करे। उन्होंने कहा कि जब आपातकाल का विरोध करने वाले लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार ही आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस की गोद में चले गए हैं तो वे लोकतंत्र का गला दबाएंगे। भाजपा सांसद ने कहा कि जब इंदिरा गांधी की तानाशाही नहीं चली तो इस सरकार की तानाशाही भी नहीं चलेगी।

राजनाथ सिंह ने सिंगापुर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इंडोनेशिया से लौटते समय शनिवार को सिंगापुर का संक्षिप्त दौरा किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सिंह ने सिंगापुर में आजाद हिंद फौज (आईएनए) स्मारक में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित की। रक्षा मंत्री ने 10 देशों वाले आसियान समूह और उसके कुछ संवाद भागीदारों की बैठक में भाग लेने के लिए इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता की दो दिवसीय यात्रा की। मंत्रालय ने कहा, 'इंडोनेशिया की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश लौटते समय 18 नवंबर को सिंगापुर का संक्षिप्त दौरा किया।' मंत्रालय ने कहा कि आईएनए के 'अज्ञात योद्धाओं' की स्मृति में एक स्मारक के निर्माण का प्रस्ताव खुद नेताजी ने किया था और उन्होंने जुलाई 1945 में इसकी आधारशिला रखी थी। सिंह ने 'एक्स' पर कहा, 'सिंगापुर में आईएनए स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। आईएनए के अज्ञात योद्धाओं को मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि।' मंत्रालय ने कहा कि रक्षा मंत्री ने भगवान विष्णु को समर्पित श्री श्रीनिवास पेरुमल मंदिर में भी पूजा-अर्चना की, जो सिंगापुर के सबसे पुराने हिंदू मंदिरों में से एक है।

पूर्व पीएम राजीव गांधी के हत्यादोषियों ने परिवार के साथ रहने की याचना की

-विशेष शिविर में रह रहे पायस नीदरलैंड्स जबकि जयकुमार चेन्नई में रहने की अपील की

-राजीव गांधी की हत्या रिहाई के बाद भी नरक भोग रहे हैं, के दोषियों ने हाई कोर्ट से लगाई गुहार

चेन्नई (एजेंसी)। त्रिची के स्पेशल कैंप में रह रहे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के दोषियों ने विसंगतियों का हवाला देते हुए मद्रास हाई कोर्ट से रिहाई की मांग करते हुए अपने परिवार के साथ रहने की अपील की है। याचक रॉबर्ट पायस नीदरलैंड्स जबकि एस जयकुमार चेन्नई स्थित अपने परिवार के साथ रहना चाहता है। गौरतलब है कि नवंबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट के इस संबंध में दिये आदेश के बाद जेल में बचे सभी 6 दोषियों को रिहा कर दिया गया था जबकि 2 लोगों को त्रिची के स्पेशल कैंप में रखा गया है।

याचिका में कहा गया है कि कैंप की स्थिति जेल से भी बदतर है। उन्हें अपने कमरों से निकलकर वहां के ही लोगों से मिलने नहीं दिया जाता है। उन्हें बाहर घूमने टहलने भी नहीं जाने दिया जाता है। उनका कहना है, अगर स्थिति ऐसी ही बनी रही तो वे मानसिक रोग का शिकार हो जाएंगे। त्रिची डीएम के साल 2022 के एक साक्षात्कार में बताया गया था कि उन्हें श्रीलंका डीपोर्ट किया जाएगा और 10 दिन में ही आदेश आने वाला था। हालांकि कई महीने बीत जाने के बाद भी कोई प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। इसका मतलब है कि श्रीलंका उन्हें नहीं बुलाना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि श्रीलंका वापस जाना उनके लिए मौत जैसा होगा।

रॉबर्ट पायस ने कहा कि वह अपने वकील के माध्यम से ऐसे संगठनों से संपर्क कर रहे हैं जो कि उन्हे नीदरलैंड भेजने में मदद करें। बता दें कि पायस का परिवार इस वक्त नीदरलैंड्स में ही रहता है। उनका कहना है कि कैंप में हिरासत में होने की वजह से वह प्रशासन के सामने कोई प्रक्रिया पूरी करने के लिए पेश भी नहीं हो पाते। वहीं जयकुमार का कहना है कि डॉक्टरों ने उन्हें आंख की सर्जरी करवाने को कहा है अन्यथा उनकी रोशनी जा सकती है।

इन दोनों का कहना है कि उन्हें आंख के इलाज के लिए चेन्नई और मदुरै ले जाया गया था लेकिन डिटेंशन कैंप में होने की वजह से उनका ठीक से इलाज नहीं हो पाया। जस्टिस जीआर स्वामिनाथन ने जयकुमार की याचिका पर सुनवाई 21 नवंबर तक के लिए टाली है।

गौरतलब है कि 21 मई 1991 को एक चुनावी रैली के दौरान तत्कालीन पीएम राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 41 लोगों को आरोपी बनाया गया था जिनमें से 12 की मौत हो गई थी जबकि तीन पोट्टू ओम्मान, अकीला और प्रभाकरण फरार हो गए थे। 26 लोग पकड़ में आए थे जिनमें से कुछ श्रीलंका के नागरिक थे। साल 1998 में टाडा कोर्ट ने 26 आरोपियों को मौत की सजा सुनाई थी।

टाडा कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने 26 में से 19 आरोपियों को रिहा कर दिया। सात दोषियों की सजा को बरकरार रखा गया जिसे बाद में बदलकर उम्रकैद कर दिया गया।

तूफान का असर: पश्चिम बंगाल, ओडिशा समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा तूफानी चक्रवात मिधिली के कारण पश्चिम बंगाल,ओडिशा सहित कई राज्यों में भारी बारिश के आसार बन रहे हैं। तूफान के खतरे को देखते हुए मछुआरों को बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल के तटों के पास नहीं जाने की सलाह दी गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, चक्रवाती तूफान मिधिली शनिवार सुबह कमजोर होकर त्रिपुरा और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर एक गहरे दबाव में बदल गया है। इसके अगले छह घंटों में दक्षिण असम और उससे सटे मिजोरम और त्रिपुरा के ऊपर उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है। बता दें कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र शुक्रवार को एक चक्रवाती तूफान में बदल गया। इसके कारण पश्चिम बंगाल, ओडिशा समेत पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश के आसार हैं।

मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान 'मिधिली' 17 नवंबर की रात या 18 नवंबर की सुबह बांग्लादेश तट को पार कर सकता है। मछुआरों को 18 नवंबर तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल के तटों के पास समुद्र में न जाने के लिए कहा है। मौसम विभाग ने पहले कहा था कि चक्रवाती तूफान बांग्लादेश तट पर पहुंचने से पहले सुंदरबन से आगे बढ़ेगा। आईएमडी ने अपने बुलेटिन में कहा, चक्रवाती तूफान मिधिली कमजोर होकर त्रिपुरा और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर मैजडीकोर्ट (बांग्लादेश) से लगभग 50 किमी उत्तर-पूर्व और अगरतला से 60 किमी दक्षिण-पूर्व में गहरे दबाव में बदल गया है।पूर्वोत्तर राज्यों (मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा और असम) में भारी बारिश हुई है। बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरे दबाव का क्षेत्र शुक्रवार को चक्रवाती तूफान में बदल गया। आईएमडी के मुताबिक शनिवार को भी मौसम की यही स्थिति बनी रहने की संभावना है।

मिजोरम के जिला प्रशासन और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने नोटिस जारी कर लोगों को सतर्क रहने और बारिश के कारण होने वाली किसी भी घटना के खिलाफ एहतियाती कदम उठाने को कहा है।इस बीच आईएमडी ने त्रिपुरा के चार जिलों में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। आईएमडी ने आइजोल जिले में 17 से 18 नवंबर की सुबह के बीच 51 मिमी बारिश का अनुमान लगाया है। अन्य जिलों- चम्फाई (52 मिमी), कोलासिब (58 मिमी), लॉन्टलाई (52 मिमी) और ममित (56 मिमी) में भारी वर्षा का पूर्वानुमान है। इस तूफान को 'मिधिली' नाम मालदीव द्वारा दिया गया है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के चक्रवातों से प्रभावित देश बारी-बारी से एक क्रम में चक्रवातों के नाम देते हैं। चक्रवात 'मिधिली' का ओडिशा पर कोई बड़ा प्रभाव पड़ने के आसार न के बराबर हैं, क्योंकि यह राज्य के तट से 150 किलोमीटर ऊपर से गुजरेगा।

हालांकि, आईएमडी वैज्ञानिक उमाशंकर दास ने कहा कि केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर जैसे कुछ जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। इस बीच, ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) ने चक्रवात के मद्देनजर सभी जिला अधिकारियों को सतर्कता बरतने को कहा है। एसआरसी सत्यव्रत साहू ने कहा, हम किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतना चाहते और सतर्कता बरती जा रही है। मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान से पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश होने का अनुमान है। इस मौसमी गतिविधि के कारण शुक्रवार को पूर्वोत्तर राज्यों मिजोरम और त्रिपुरा, नगालैंड, मणिपुर, दक्षिण असम और पूर्वी मेघालय में शनिवार तक बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं। इस मौसम के दौरान दूसरी बार गहरे दबाव का क्षेत्र बना है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वर्ल्ड कप क्रिकेट:अहमदाबाद में होगा वीवीआईपी का जमावड़ा

8 राज्यों के सीएम और रिजर्व बैंक के गवर्नर को भी आमंत्रण, मुकेश अंबानी समेत कई बड़े उद्योगपति भी आएंगे वर्ल्ड कप फाइनल देखने

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद, भारत और आस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप फाइलन मैच का रोमांच लोगों के सिर चढ़कर बोलने लगा है। गुजरात और देश-विदेश से दर्शकों का अहमदबाद पहुंचना शुरू हो गया है। वीवीआईपी अतिथियों से भी दर्शक दीर्घा रविवार को भर जाएगी, ऐसी सूचनाएं भी मिल रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और देश के गृह मंत्र अमित शाह के मैच में उपस्थित रहने की पहले ही पुष्टि हो चुकी है। इसके तहत प्रशासन ने जी-तोड़ तैयारी शुरूकी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मैच खेला जाएगा। मैच में रिलायन्स इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के परिवार के साथ उपस्थित रहने की सूचना है। इसके अलावा 8 राज्यों के मुख्यमंत्री और रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिक्रांत दास के भी मैच देखने आने की सूचना मिली है। मैच में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के आने की जानकारी मिली है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को भी निमंत्रण दिया गया है, उनके आने की अभी पुष्टि होनी बाकी है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा और अहमदाबाद में मैच के दौरान मौजूद रहेगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के अलावा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा भी अहमदाबाद फाइनल मैच देखने आएंगे।

रविवार को दिन के 3 बजे अहमदाबाद आएंगे प्रधानमंत्री मोदी:

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्ल्ड कप का फाइनल मैच देखने रविवार को दोपहर 3 बजे अहमदाबाद हवाईअड्डे पर आएंगे। शाम 5 बजे के आसपास वे स्टेडियम पहुंचेंगे। मैच के बाद वे राजभवन जाएंगे। राजभवन में ही रात्रि विश्राम के बाद दूसरे दिन सोमवार को वे यहां से रवाना होंगे। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जनरल एविएशन (जीए) टर्मिनल शनिवार रात केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आने के कारण रात 8.40 बजे और रविवार सुबह 11.30 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आने की वजह से 30 मिनट तक टर्मिनल बंद रहेगा। इस दौरान अन्य लोग डोमेस्टिक, इंटरनेशनल हवाईअड्डे का उपयोग कर सकेंगे। सुरक्षा कारणों से कई चार्टर्ड प्लेन अहमदाबाद में पार्क होंगे। इसके अलावा वडोदरा, सूरत, राजकोट, जयपुर, इंदौर समेत 5 एयरपोर्ट चार्टर्ड प्लेन की पार्किंग के लिए स्टैंड बाय रहेंगे।

इनके आने की है संभावना:

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स, गृह मंत्री अमित शाह, सचिन तेंदुलकर, क्लाइव लॉयड, कपिल देव, एमएस धोनी, इयान मोर्गन, रिकी पॉन्टिंग, फिल्म स्टार रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, नीता अंबानी परिवार के साथ, मुकेश अंबानी, गौतम व करण अदाणी, जिंदल ग्रुप के पार्थ जिंदल, अनिल रायगुप्ता, माधव सिंघानिया, दीपक पारेख, अदार पुनावाला, आथिया शेट्टी, अनुष्का शर्मा, अक्षय कुमार, अजय देवेगन, पीसीबी के प्रमुख जका अशरफ, हार्दिक पंडया और चहल, मोहनलाल वेंकटेश, सिंगापुर के गृह मंत्री के शनमुगम, चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक श्रीनिवासन आदि के अहमदाबाद मैच देखने आने की सूचना है।

कतारगाम में पेट्रोल पंप के पास एक हीरे की फैक्ट्री में आग लग गई

फैक्ट्री में उस समय आग लग गई जब हीरे उबाले जा रहे थे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :सूरत शहर में शनिवार लाभपंचमी के दिन आग लगने की एक और घटना सामने आई है। कतारगाम में शनिवार सुबह सुबह 9 बजे कतारगाम मेहता पेट्रोल पंप के पास एक हीरा फैक्ट्री में आग लगी। जांच में पता चला कि हीरा फैक्ट्री में आग लगने के लिए डायमंड बॉयल प्रोसेस मशीन जिम्मेदार थी। इस घटना में एक शख्स का हाथ जलने की बात सामने आई है। घटना स्थल पर भेजा गया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में कोई बड़ी हताहत नहीं हुई। लेकिन इतना कहा जा सकता है कि आग से लाखों का नुकसान हुआ है। अग्निशमन अधिकारी रमेश टेलर ने बताया कि आग की

9 बजे एक हीरे की फैक्ट्री में आग लग गईजिसमें लाखों का नुकसान हुआ है। जिसमें एक व्यक्ति झुलस गया उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद मुगलीसरा और कतारगाम की अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर भी काबू पा लिया गया।

जानकारी के मुताबिक शनिवार अग्निशमन विभाग ने बताया कि घटना कतारगाम की है जहां चारों ओर अफरा-तफरी मची हुई है। कतारगाम में एक हीरे की फैक्ट्री में उस समय आग लग गई जब हीरे उबाले जा रहे थे। जैसे ही कॉल मिली कि फैक्ट्री में आग लग गई है, मुगलसीरा और कतारगाम फायर स्टेशनों की टीमों को सूचना मिलते ही मुगलसीरा और कतारगाम फायर स्टेशन की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आग सामान्य थी लेकिन फर्नीचर, मशीनें, कंप्यूटर समेत सामान जल गया। साथ ही इस आग में हर्षद करसिया नाम के एक शख्स का हाथ भी मामूली रूप से झुलस गया। इसलिए उसे तुरंत इलाज के लिए

वर्ल्ड कप फाइनल मैच : बॉलीवुड के म्यूजिक कम्पोजर प्रीतम 500 कलाकारों के साथ करेंगे परफॉर्म

World Cup Cricket Final Match

वायुसेना के सूर्यकिरण की एरोबेटिक टीम का एयर शो होगा खास आकर्षण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद, देश में वर्ल्ड कप क्रिकेट का खुमार अपने चरम पर जा पहुंचा है। मैच देखने के लिए देश-दुनिया के फैंस फ्लाइट और होटल की बुकिंग के लिए टूट पड़े हैं। अहमदाबाद और उसके निकटवर्ती शहरों के फाइव स्टार, थ्री स्टार और अन्य होटल के रूम की डिमांड आसमान छू रही है। रविवार रात के लिए टॉप फाइव स्टार होटल का किराया 10-12 हजार के बजाय तीन लाख रुपये तक पहुंच गया है। अहमदाबाद, प्रयागराज, मुंबई समेत देश के कई इलाकों में भारत की जीत के लिए प्रर्थानाएं हो रही हैं। रेलवे ने दिल्ली और मुंबई से अहमदाबाद तक के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। आयोजन को यादगार बनाने के लिए मैच से पहले और बाद में कई आकर्षण दर्शकों को रोमांचित करेंगे।

अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में रविवार दोपहर 02 बजे से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप का फाइनल मैच खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले इस रोमांचक मुकाबले को खास बनाने के लिए आईसीसी और बीसीसीआई दोनों ने मिलकर विशेष तैयारी की है। वर्ल्ड कप फाइनल से पूर्व वायु सेना के सूर्यकिरण की एरोबेटिक टीम की ओर से एयर शो किया जाएगा। इसके लिए गुरुवार और शुक्रवार को वायुसेना के विमानों ने इसका पूर्वाभ्यास किया। मैच में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के अलावा 100 से अधिक वीवीआईपी अमदाबाद के मेहमान बनेंगे। बॉलीवुड के म्यूजिक कम्पोजर प्रीतम 500 कलाकारों के ग्रुप के साथ परफॉर्म करेंगे।

अधिकारियों के मुताबिक मैच पूर्ण होने के बाद आसमान रंगीन रोशनी से नहा उठेगा, इसके लिए आतिशबाजी की विशेष तैयारी की गई है। इसके अलावा 1200 ड्रोन के जरिए खास ड्रोन शो किया जाएगा। इसमें एरियल शो में विजेता की टीम शामिल होगी। वर्ल्ड कप फाइनल में भव्य लेजर शो के लिए यूके के लेजर शो प्रोडक्शन कंपनी को साथ शामिल किया गया है। मैच पूर्ण होने के बाद वर्ल्ड चैम्पियन टीम के नाम समेत वर्ल्ड कप ट्रॉफी समेत कलाकृति ड्रोन के जरिए दिखाया जाएगा।

दिन के १२.३० बजे एयर शो-

वायुसेना के सूर्यकिरण विमानों के जरिए एयर शो का आयोजन किया जाएगा। शाम 5.30 बजे से हाई टाइम परफॉर्मेंस के तहत आईसीसी सभी विश्व कप के पूर्व विजेताओं के कैप्टेंस की परेड कराएगी। वे अपनी पुरानी यादों को भी लोगों के समक्ष पेश करेंगे। संगीतकार प्रीतम और 500 कलाकारों का भव्य परफॉर्मेंस होगा। वे सभी मैदान का 360 डिग्री चक्कर लगाकर विभिन्न गीतों पर प्रस्तुति देंगे। रात 8.30 बजे ड्रिंक्स ब्रेक होगा। इस दौरान 90 सेकेंड का लेजर शो होगा। मैच के बाद विश्व विजेता को ट्रॉफी एनायत किया जाएगा। इस दौरान 1200 ड्रोंस के साथ विशेष शो आयोजित होगा। इसके बाद यदि भारतीय टीम विश्व विजेता बनती है तो अहमदाबाद में भव्य रोड शो किया जाएगा। यह संभवत: रिवरफ्रंट में होगा।

सरकारी जमीन हडपने के लिए बने अवैध मैदानों की जांच करने की मांग

दर्शन नायक ने मुख्यमंत्री, खेल मंत्री और जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत जिले में सरकारी जमीन पर बने अवैध खेल मैदानों की जांच करने और ऐसे मैदानों का प्रबंधन सरकार अपने हाथ में ले या खेल प्राधिकरण बनाकर एक ट्रस्ट को आवंटित करे। सरकारी जमीन पर खेल मैदान बनाने के साथ व्यावसायिक गतिविधियों की जांच कराने के लिए किसान एवं सहकारिता नेता तथा गुजरात प्रदेश कांग्रेस महासचीव दर्शन नायक द्वारा मुख्यमंत्री, खेल मंत्री और जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

एक ओर राज्य सरकार च्व्रमशे गुजरात, खेलशे गुजरातज्, खेल महाकुंभ जैसी सरकारी गतिविधियों का आयोजन करके गुजरात के युवाओं की प्रतिभा को सामने लाने और युवाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है। दूसरी ओर, सूरत जिले के नौ तहसिलों के कई गांवों में योग, बिना किसी अनुमति के सरकारी जमीन पर क्रिकेट मैदान का निर्माण किया गया है। सरकारी जमीनों का प्रबंधन मामलतदार और ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी है, लेकिन कुछ गांवों में खेल मैदानों के नाम पर सरकारी जमीन पर क्रिकेट मैदान का निर्माण कर दिया गया है। जिन पंचायतों को सरकारी जमीन पर अतिक्रमण रोकना चाहिए, वे भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे बैठी हैं और सरकारी जमीन पर हो रहे कब्जे के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही हैं। सूरत जिले में सरकारी जमीन पर दबाव की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। एक ओर जहां कई शिक्षण संस्थानों के पास सरकारी नियमानुसार मैदान नहीं है, वहीं दूसरी ओर खेल के नाम पर जबरन सरकारी जमीन देकर आर्थिक लाभ उठाया जा रहा है।

पहले के समय में जब क्रिकेट मैच खेले जाते थे तो अलग-अलग गांवों की टीमें खेलती थीं और कोई किराया या शुल्क नहीं लिया जाता था। लेकिन आज, सूरत जिले के गांवों में अवैध रूप से कब्जे वाले क्रिकेट मैदानों पर व्यावसायिक क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किए जा रहे हैं और प्रवेश या मैदान शुल्क के रूप में हजारों रुपये वसूले जा रहे हैं। इससे गांव की संस्थाओं या ग्रामीणों को कोई फायदा नहीं होता और कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी खराब आर्थिक स्थिति के कारण आगे नहीं आ पाते। सरकारी जमीन पर कब्जा कर मैदान का निर्माण कर कुछ शरारती तत्व अपने फायदे के लिए इस तरह की गतिविधि को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसी गतिविधि से किसी भी समुदाय, गांव या तालुक को लाभ नहीं होता है बल्कि खेल गतिविधियों के माध्यम से युवाओं की भावनाओं का उपयोग करके पूरी व्यवस्था अवैध रूप से चलाई जा रही है। पूरे सूरत जिले में ऐसे अवैध आधारों की जांच होनी चाहिए।

इससे होने वाली आय की भी जांच की जानी चाहिए और ऐसी आय को जनहित में सरकारी खजाने में जमा किया जाना चाहिए।

सूरत जिले में क्रिकेट सहित अन्य खेलों के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, युवाओं को खेलों के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार सूरत जिले में खेलों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। यदि सरकार ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ियों को सही ढंग से संगठित कर प्रोत्साहित करे तो वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। अगर सरकार खेलों के लिए प्रोत्साहन दे रही है तो सूरत जिले के तालुका और जिला खेल अधिकारी इस मामले पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं? खेल के मैदान के मामले में जिले और तालुका के अधिकारी रुचि क्यों नहीं ले रहे हैं?

सरकारी भूमि पर बने सभी मैदानों को सरकार ने तालुका, जिला और राज्य खेल प्राधिकरण बनाकर सरकारी भूमि पर बने सभी मैदानों को अपने कब्जे में ले लेना चाहिए। खेल गतिविधियों में शामिल गाँव के युवाओं का एक ट्रस्ट बनाकर जिसमें सरकारी अनुदान आवंटित कर या सरकारी लाभ देकर विशिष्ट नीतियां बनानी चाहिए। जिसमें हर प्रकार के टूर्नामेंट को मामूली शुल्क पर आयोजित किया जाना चाहिए।

तालुका और जिला खेल विभाग के अधिकारियों के समन्वय से ऐसी खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए और युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से टूर्नामेंट आयोजित किए जाने चाहिए। ताकि युवाओं के अंदर की प्रतिभा को सामने लाया जा सके, साथ ही सरकार का उद्देश्य भी पूरा हो सके और सरकारी जमीनों की सुरक्षा भी हो सके।

शहर में पुलों की संख्या 121 तक पहुंची नए साल में और 4 पुल चालू हो जाएंगे

नए पुलों में सरोली-ओलपाड, सचिन रेलवे ब्रिज, नवीन फ्लोरिन फ्लाई ओवरब्रिज और लिंबायत अंडरपास ब्रिज शामिल होंगे

विक्रम संवत 2080 में सूरत को 4 और पुलों की सौगात मिलेगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : ब्रिज सिटी के नाम से मशहूर सूरत में पुलों की संख्या अब 125 तक पहुंच जाएगी। नए साल में सूरत नगर निगम की ओर से सूरतवासियों को 4 और ब्रिजों की सौगात दी जाएगी। हाल ही में सूरत नगर निगम द्वारा 2 पुलों का उद्घाटन किया गया और इसके साथ ही शहर में चालू पुलों की संख्या 121 तक पहुंच गई है। नये साल विक्रम संवत 2080 में चार पुलों का उद्घाटन किया जायेगा।

सूरत शहर लघु भारत है। हर राज्य से लोग व्यवसाय और रोजगार के लिए शहर में रह रहे हैं। इसलिए शहर में आबादी भी बढ़ रही है। जिससे ट्रैफिक की समस्या भी बढ़ती जा रही है। नगर निगम द्वारा यातायात समस्या के समाधान के लिए जन परिवहन सुविधा भी शुरू की गई है। इसके साथ ही शहर को सड़कों और पुलों की सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। सूरत शहर में पुलों की संख्या 100 से अधिक हो गई है। सूरत शहर को अब ब्रिज सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यातायात को आसान बनाने के लिए शहर में अधिक से अधिक पुल बनाए जा रहे हैं। फिर नए साल में सूरत नगर निगम सूरतवासियों को ४ और पुलों का तोहफा देगी। हाल ही में सूरत मनपा द्वारा २ पुलों का शुभारंभ किया गया और इसके साथ ही शहर में परिचालन पुलों की संख्या 121 तक पहुंच गई है और अगली दिवाली तक शहर में 4 और पुल चालू हो जाएंगे और कुल परिचालन पुलों की संख्या 125 तक पहुंच जाएगी। इन चारों पुलों का काम अंतिम चरण में चल रहा है और काम पूरा होते ही पुलों का उद्घाटन कर दिया जाएगा। नये पुल में सारोली-ओलपाड ब्रिज का दूसरा चरण अंतिम चरण में है। कुल 60.68 करोड़ रुपये की लागत से बने इस पुल के उद्घाटन के बाद कुल 7 से 8 लाख की आबादी को सीधे तौर पर फायदा होगा। साथ ही 33.02 करोड़ की लागत से बनने वाले सचिन रेलवे ब्रिज से 10 लाख की आबादी को सीधा फायदा होगा। 36.08 करोड़ की लागत से बन रहे नए फ्लोरिन फ्लाई ओवरब्रिज से 5 से 6 लाख की आबादी को फायदा होगा और 51.06 करोड़ की लागत से बन रहे लिंबायत अंडरपास ब्रिज से 6 लाख की आबादी को फायदा होगा।